RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6, अंकः136, रविवार, 25 मई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

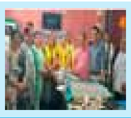
9 वर्ष से 26 वर्ष के लड़कियों व औरतों को कैंसर से बचाव हेतु दी गई सर्वा बैग नामक टीका 03

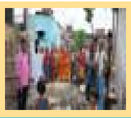
नाले और सड़क की दुर्दशा पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, किया विरोध प्रदर्शन 04

कांस में आलिया ने राजकुमारी जैसे अंदाज में किया डेब्यू पीच गाउन में... 07

समंदर में 'तमाल' करेगा कमाल! सभी टेस्ट में हुआ पास

● नेवी में अगले महीने होगा कमीशन, और बढ़ जाएगी ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन नेवी के लिए रूस में बना वॉरशिप 'तमाल' सभी टेस्ट में पास हो गया है। सूत्रों के मुताबिक उसका सी-ट्रायल पूरा हो गया है जिसमें समंदर में सभी टेस्ट किए जाते हैं। अब इस हफ्ते वह डॉकयार्ड में आ जाएगा। इसके बाद अगले महीने के आखिरी हफ्ते तक तमाल इंडियन नेवी का हिस्सा बन जाएगा। रूस में ही इसकी कमिशनिंग होगी, जिसके बाद इसे भारत लाया जाएगा। तमाल स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट है। नेवी में कमिशन होने के बाद यह हो जाएगा आईएनएस (इंडियन नेवल शिप) तमाल। इंडियन नेवी की करीब 200 लोगों की टीम भी रूस में है जो इस वॉरशिप के ट्रायल में शामिल है। तमाल की स्पीड 30 नॉटिकल मील है। इससे एंटी शिप ब्रह्मोस मिसाइल फायर की जा सकती है। एंटी सबमरीन वॉरफेयर के लिए भी इसे खास तौर पर डिजाइन किया गया है। दुश्मन की सबमरीन के हमलों से निपटने के लिए एंटी सबमरीन रॉकेट्स और टॉरपीडो भी इस वॉरशिप में मौजूद हैं। इस वॉरशिप पर एक हेलीकॉप्टर को भी तैनात किया जा सकता है। इसका वजन करीब 3900 टन है। तमाल के शामिल होने के बाद इंडियन नेवी के पास 14 फ्रिगेट हो जाएंगे। अभी इंडियन नेवी के पास 13 फ्रिगेट हैं। साथ ही 10 डिस्ट्रॉयर हैं और 10 कोरवेट हैं। फ्रिगेट साइज में कुछ छोटा होता है और फ्रिगेट के मुकाबले डिस्ट्रॉयर करीब डेढ़ गुना बढ़ा होता है। फ्रिगेट किसी एक तरह के रोल के लिए सबसे ज्यादा उपयुक्त होता है और बाकी रोल में इसका इस्तेमाल रक्षात्मक भूमिका में करते हैं। जबकि डिस्ट्रॉयर में एक साथ कई रोल निभाने की क्षमता है। कोरवेट साइज में फ्रिगेट से भी छोटा होता है। साल 2016 में भारत और रूस के बीच 4 तलवार क्लास स्टेल्थ फ्रिगेट बनाने के लिए समझौता हुआ था। जिनमें से दो रूस में और दो भारत में बनने थे। रूस में बने 'तुशील' को पिछले साल ही नेवी में शामिल किया गया है और अब तमाल भी नेवी को मिलने वाला है। नेवी पहले ही यह साफ कर चुकी है कि अब भविष्य में कोई और वॉरशिप बाहर से नहीं खरीदा जाएगा। इसलिए 'तमाल' नेवी का आखिरी इंपोर्टेड वॉरशिप होगा।

10 लाख का ईनामी जेजेएमपी सुप्रीमो पुलिस मुठभेड़ में ढेर

● लातेहार के ईचाबार जंगल में एनकाउंटर

लातेहार (एजेंसी)। लातेहार जिले के लिए आतंक का पर्याय बने जेजेएमपी के सुप्रीमो पप्पू लोहरा समेत दो नक्सलियों को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया है। बताया जाता है कि लातेहार थाना क्षेत्र के ईचाबार जंगल में शनिवार सुबह पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। इस मुठभेड़ में झारखंड जनसंघर्ष मुक्ति मोर्चा का सुप्रीमो पप्पू लोहरा और पांच लाख का इनामी नक्सली सबजोनल कमांडर प्रभात गंझू मारा गया है जबकि एक नक्सली घायल है। जिसे सदर अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया है। वहीं सेट वन का जवान घायल हुआ है। उसका नाम अवध सिंह है। घायल जवान को एयर लिफ्ट कर रांची के राज अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया है। जानकारी के मुताबिक लातेहार एसपी कुमार गौरव के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया। इस अभियान में सीआरपीएफ और झारखंड पुलिस की टीम शामिल थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि पप्पू लोहरा अपने साथियों के साथ बड़ी वारदात करने की योजना बना रहा है।

शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान

संभालेंगे रोहित शर्मा की विरासत, पंत उप-कप्तान

इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान बनाए गए हैं। ऋषभ पंत उप-कप्तान चुने गए हैं। बीसीसीआई ने शनिवार को मुंबई में हुई मीटिंग में इसका ऐलान किया। साथ ही इंग्लैंड दौरे के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा भी हुई। 20 जून से शुरू हो रहे इंग्लैंड दौरे में भारत को 5 टेस्ट खेलने हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा के रिटायरमेंट के बाद टीम में साई सुदर्शन और करुण नायर को जगह मिली है। वहीं शार्दुल ठाकुर की टीम में वापसी हुई है। 25 साल और 258 दिन की उम्र में गिल टेस्ट में भारत की कप्तानी करने वाले पांचवें सबसे युवा क्रिकेटर बन गए हैं। उनसे पहले मंसूर अली खान पटौदी (21 साल, 77 दिन), सचिन तेंदुलकर (23 साल, 169 दिन), कपिल देव (24 साल, 48 दिन) और रवि शास्त्री (25 साल, 229 दिन) हैं। 33 साल के करुण नायर 8 साल बाद टेस्ट मैच खेलेंगे।

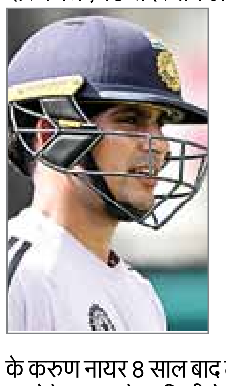

उन्होंने 2017 में आखिरी टेस्ट खेला था। डोमेस्टिक क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत नायर ने टीम में जगह बनाई है। उन्होंने पिछले सीजन 9 रणजी ट्रॉफी मैच में 4 शतक के साथ 863 रन बनाए थे। इसके अलावा विजय हजारे ट्रॉफी की 8 पारियों में 5 शतक के साथ 779 रन बनाए थे। उनकी शानदार बल्लेबाजी की बदौलत विदर्भ की टीम ने पिछले सीजन रणजी खिताब जीता और विजय हजारे ट्रॉफी की फाइनलिस्ट रही। करुण को पहले ही इंडिया ए टीम में शामिल किया जा चुका है, जो कुछ दिनों में इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

पीएम बोले-हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

● मोदी ने कहा-राज्य विकसित, तभी भारत विकसित होगा ● नीति आयोग की बैठक में तीन राज्यों के सीएम नहीं आए

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। पीएम ने कहा- हमें टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत विकसित होगा। इस बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री और उपराज्यपाल, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष, सदस्य और सीईओ शामिल हुए। नीति आयोग के स्टेटमेंट के मुताबिक, इस साल बैठक की थीम विकसित भारत के लिए विकसित राज्य है। बैठक में भारत को 2047 तक विकसित बनाने के लिए राज्यों की भूमिका पर जोर दिया जाएगा। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय को लेकर भी चर्चा होगी। केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को देश के सामने मौजूद विकास से जुड़ी चुनौतियों के बारे में बताया। इसके अलावा भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए राज्य किस तरह आधारशिला बन सकते हैं, यह भी बताया गया। बैठक में उद्यमिता, कौशल और देश भर में स्थायी रोजगार के अवसर बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा की गई। ग्लोबल स्टैंडर्ड के अनुसार हर मुख्यमंत्री को अपने राज्य में कम से कम एक टूरिस्ट प्लेस विकसित करना चाहिए। भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। डेवलेपमेंट, मॉर्डनाइजेशन और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए। एक साथ मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।

सीजेआई प्रोटोकॉल उल्लंघन केस में कार्रवाई की याचिका खारिज

● चीफ जस्टिस गवई ने कहा-यह सस्ती पब्लिसिटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक वकील की जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें महाराष्ट्र के सीनियर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता का आरोप था कि इन अधिकारियों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बीआर गवई के पहले मुंबई दौरे के दौरान प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। मुख्य न्यायाधीश गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने इस याचिका को पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन बताया और 7 साल के अनुभव वाले याचिकाकर्ता वकील शैलेंद्र मणि त्रिपाठी पर 7,000 का जुर्माना लगाया, जो उन्हें लीगल सर्विसेज अथॉरिटी में जमा करना होगा। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा, ये बहुत छोटा मामला है, इसे इतना बड़ा नहीं बनाया जाना चाहिए। कोर्ट पहले ही प्रेस रिलीज के जरिए यह साफ कर चुका है कि इस मुद्दे को यहीं खत्म कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने याचिकाकर्ता से कहा, आप बस अखबार में अपना नाम छपवाना चाहते हैं। अगर आपने पद की गरिमा के बारे में सोचा होता, तो आपको पता होता कि मैंने इस मामले को यहीं समाप्त करने की अपील की थी। यह याचिका जुर्माने के साथ खारिज की जाएगी। पीठ ने कहा कि सीजेआई पहले ही सार्वजनिक रूप से इस मामले पर अपनी बात रख चुके हैं और यह कोई गंभीर मुद्दा नहीं था।

अबकी होगी झमाझम, केरल पहुंचा मानसून

● तोड़ा 16 साल का रिकार्ड, समय से 8 दिन पहले मार दी दस्तक ● अलनीनो की संभावना नहीं, इस बार होगी सामान्य से ज्यादा बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून शनिवार को केरल पहुंच गया। यह अपने तय समय 8 दिन पहले पहुंचा है। मौसम विभाग के मुताबिक, 16 साल में ऐसा पहली बार हुआ जब मानसून इतनी जल्दी आया है। 2009 में मानसून 9 दिन पहले केरल पहुंचा था। वहीं, पिछले साल यह 30 मई को केरल पहुंचा था। मानसून चार दिन से देश से करीब 40-50 किलोमीटर दूर अटका था और शुक्रवार शाम आगे बढ़ा। इसके आज ही तमिलनाडु और कर्नाटक के कई इलाकों में भी पहुंचने की संभावना है। एक हफ्ते में देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर राज्यों जबकि 4 जून तक मध्य और पूर्वी भारत को कवर कर सकता है। आम तौर पर मानसून 1 जून को केरल पहुंचता है और 8 जुलाई तक पूरे देश को कवर कर लेता है। यह 17 सितंबर के आसपास वापस लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से वापस चला जाता है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मानसून की शुरुआत की तारीख और सीजन के दौरान कुल बारिश के बीच कोई संबंध नहीं है। इसके जल्दी या देर से पहुंचने का मतलब यह नहीं है कि यह देश के अन्य हिस्सों को भी उसी तरह कवर करेगा। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें काफी अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरल पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरल पहुंचा था। इस साल मानसून में अल नीनो की संभावना नहीं मौसम विभाग ने अप्रैल में कहा था कि 2025 के मानसून को समय अल नीनो की संभावना नहीं है।

पहली बार एनडीए से सत्रह महिला कैडेट पासआउट होंगी

● कहा-हमें जूनियर्स के लिए हाई-स्टैंडर्ड्स बनाने होंगे

पुणे (एजेंसी)। नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) में महिला कैडेट्स का पहला बैच पासआउट होने वाला है। 30 मई को 148वें कोर्स की पासिंग आउट परेड होगी। इतिहास में यह पहली बार होगा जब 17 महिला कैडेट्स 300 से ज्यादा पुरुषों के साथ एनडीए से ग्रेजुएट होंगी। ये भारतीय सेना, नेवी और एयर फोर्स जॉइन करेंगी। 2021 में सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं को एनडीए परीक्षा देने की अनुमति देने का आदेश दिया था। इसके बाद यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन (यूपीएससी) ने महिलाओं को आवेदन करने की अनुमति दी। 2022 में पहली बार 17 महिला कैडेट्स का बैच एनडीए में शामिल हुआ था। इनमें से कुछ महिला कैडेट्स ने शुक्रवार को एनडीए में अपने तीन साल के सफर के बारे में अनुभव साझा किए।

आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत को मिल गया है जर्मनी का साथ

● विदेश मंत्री जयशंकर के सामने किया बड़ा ऐलान, पाक को लगेगी मिर्ची

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करते हुए भारत के आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया है। जर्मनी के विदेश और वित्त मंत्री जोहान वेडफुल ने एस जयशंकर से मुलाकात के दौरान पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय जर्मनी की यात्रा पर हैं। जर्मनी ने भारत और पाकिस्तान के बीच का मुद्दा दोनों देशों को आपस में ही सुलझाना चाहिए। यह भारत के तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के खिलाफ रुख के साथ मेल खाता है। एस जयशंकर ने ट्वीट करते हुए लिखा, बर्लिन में जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ आज बैठक हुई। भारत के आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा के अधिकार को जर्मनी के समझने की सराहना करता हूं। मेरी और जोहान की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत, गहरा और करीब बनाने पर चर्चा हुई। हमने आगे की संभावनाओं और क्षमता वाले क्षेत्रों की पहचान की है। जर्मनी के वित्त मंत्री जोहान वेडफुल ने एस जयशंकर के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह पहलगाम आतंकी हमले की जानकारी के लिए लगातार अपने फ्रांसीसी समकक्ष के संपर्क में थे। इस दौरान जयशंकर ने कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस रखता है। भारत परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के जांच अधिकारी की मौत

जालंधर (एजेंसी)। मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के हत्या की जांच करने वाले जांच अधिकारी रिटायर्ड सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई है। शुक्रवार को उनकी मानसा कोर्ट में पेशी थी लेकिन इसी दिन बीमारी से उनके निधन की खबर आई। उन्हें लुधियाना के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसके बाद कोर्ट ने सुनवाई की तारीख जुलाई महीने में तय कर दी। बता दें कि 29 मई 2022 को मानसा के जवाहरके में सिद्धू मूसेवाला की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली थी। उस वक्त सब इंस्पेक्टर अंग्रेज सिंह मानसा के थाना सिटी-1 के इंचार्ज थे। हालांकि जांच शुरू करने के बाद बीमार होने पर वह रिटायर हो गए थे।

जम्मू-कश्मीर में पाक गोलीबारी के पीड़ित बच्चों से मिले राहुल

● कहा-आई लव यू, सब जल्दी ठीक होगा, आप मन लगाकर पढ़ें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी जम्मू-कश्मीर के पुंछ पहुंचे हैं। उन्होंने यहां पाकिस्तानी गोलाबारी में मारे गए लोगों के परिवारों से मुलाकात की। वे स्कूली बच्चों से भी मिले, उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं। राहुल ने कहा कि सब जल्दी ठीक हो जाएगा। आप इन हालात से बाहर आने के लिए खूब पढ़ाई करें, खूब खेलें और स्कूल में बहुत सारे दोस्त बनाएं। पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मुलाकात के बाद राहुल ने कहा कि ये बड़ी त्रासदी है। बहुत से लोगों की जान गई है और उन्हें काफी नुकसान हुआ है। मैंने उनसे बात की, उनकी परेशानियों को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे कहा कि वे कुछ मुद्दे राष्ट्रीय स्तर पर उठाना चाहते हैं, और मैं उन्हें जरूर उठाऊंगा।

पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हुए थे। इसके बाद भारतीय वायु सेना ने रात को कार्रवाई की थी।

एनकाउंटर में भागलपुर का कुख्यात गुरुदेव मंडल ढेर, एसटीएफ ने एक और वारदात को किया नाकाम

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर में पुलिस ने कुख्यात गुरुदेव मंडल को एनकाउंटर में मार गिराया। घटना रंगरा थाना क्षेत्र में बीती देर रात की है। एसटीएफ की टीम और भागलपुर जिला बल के संयुक्त ऑपरेशन में यह कार्रवाई की गई। गुरुदेव मंडल अपने साथियों के साथ एक नई वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। इसकी भनक पुलिस को लग गई। एसटीएफ और जिला पुलिस की टीम ने अपराधियों के ठिकाने पर धावा बोल दिया। पुलिस को देखते ही गुरुदेव मंडल और उसके गुर्गों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गुरुदेव को ढेर कर दिया।

उसके अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार होने में कामयाब रहे जिन्हें पुलिस खोज रही है। पुलिस सूत्रों मिली जानकारी के अनुसार देर रात रंगरा थाना पुलिस को सूचना मिली कि गुरुदेव मंडल अपने गिरोह के साथियों के साथ दियारा इलाके में मीटिंग कर रहा है। वे लोग किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले थे। योजना की तैयारी चल ही रही थी के एसटीएफ और भागलपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने धावा बोल दिया। अपराधियों छुपकर पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोलियां चलाई। इसी दौरान गुरुदेव मंडल मारा गया जबकि उसका अन्य साथी अंधेरे और वहां की भौगोलिक स्थिति का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने रात में शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गुरुदेव मंडल भागलपुर का कुख्यात अपराधी था जो आस पास के जिलों में भी क्राइम करता था। रंगरा और आसपास के इलाकों में कई गंभीर आपराधिक कांडों में पुलिस को उसकी तलाश थी। हत्या, लूट, फिरौती और अवैध हथियार रखने जैसे कई मामले उसके खिलाफ दर्ज हैं। उसे इलाके में आतंक का दूसरा नाम बताया जाता था। पुलिस उसे बेसब्री से तलाश रही थी जबकि वह बार बार पुलिस को चकमा देकर फार हो जाता था एनकाउंटर के बाद पुलिस छानबीन में जुट गई। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम को तुरंत मौके पर बुलाकर जांच कराई गयी। एफएसएल के अधिकारियों ने घटना स्थल से कई नमूने लिए। मौके से खोखा, गोला-बारूद और अन्य सामान पुलिस ने जब्त किया। वरीय अधिकारियों की निगरानी में छानबीन की जा रही है। गुरुदेव मंडल के मारे जाने से अपराध की वारदातों पर विराम लगने की उम्मीद है।

समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड का काम नवंबर तक पूरा होने की उम्मीद

दो पुल का निर्माण बाकी

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड दोहरीकरण के चौथे चरण में है। ये काम 3 साल में पूरा होना था। लेकिन, 10 साल गुजर चुके है। रामभद्रपुर-हायाघाट- थलवारा करीब 12 किलोमीटर में युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। रेलखंडों के बीच पांच बड़े पुल 14,15, 15ए, 16 व 17 नंबर में से 15, 15ए व 17 का काम पूरा कर लिया गया है। जबकि, पुल नंबर 14 व 16 नंबर पर काम चल रहा है। पांचों पुलों को मिलाकर कुल 28 गाटर चढ़ाया जाना था, जिसमें से 17 गाटर का काम पूरा कर लिया गया है। शेष 11 गाटर पर काम चल रहा है, जिसके अगामी नवंबर माह तक पूरा होने की उम्मीद है। अर्थ वर्क लगभग पूरा हो चुका है। ऐसी स्थिति में सब ठीक रहा तो अगले साल से समस्तीपुर- दरभंगा दोहरीलाइन पर ट्रेनों का चलना शुरू हो जाएगा। जिसे ट्रेनों की स्पीड तो बढ़ेगी ही, साथ ही यात्री जाम में नहीं फसंगे। डीआरएम विनय श्रीवास्तव का कहना है कि दोहरीकरण का काम युद्धस्तर पर जारी है। अगले साल से दोहरी लाइन पर पूरे रूप से ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाएगा।

तीन साल में पूरा होना था काम, 10 साल गुजरे

समस्तीपुर-दरभंगा 40 किलोमीटर दोहरीकरण का काम तीन सालों में पूरा होना था। लेकिन 10 साल गुजर गए अब तक मात्र 28 किलोमीटर का ही काम हो पाया है। 12 किलोमीटर रेलवे लाइन बिछाना अभी भी बाकी है। रामभद्रपुर- हायाघाट, हायाघाट-थलवारा रेलवे स्टेशनों के बीच चौथे चरण में योजना पर काम चल रहा है। इस खंड के पांच बड़े पुलों में से तीन का निर्माण काम पूरा हो चुका है। अभी दो पुलों का निर्माण होना बांकी है। रेलवे के निर्माण विभाग के अभियंता बताते है कि नवंबर महीने तक निर्माण काम पूरा कर लिया जाएगा। साल 2015 में 519 करोड़ की लागत से दोहरीकरण का कार्य शुरू हुआ, जिसमें रेलवे ट्रैक और पुल के लिए 491 करोड़ व 28 करोड़ रुपए इलेक्ट्रिक वायरिंग के लिए आवंटित हुई थी। इस काम को 3 साल के अंदर पूरा करने का लक्ष्य था।

10 सालों में 28 किलोमीटर का रेलवे ने सफर किया तय

10 सालों में 28 किलोमीटर रेलवे सफर तय कर पाई है। जबकि काम को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए योजना को तीन चरणों में बांटा गया था। रेलवे के निर्माण विभाग की ओर से इस खंड पर पहले चरण में समस्तीपुर-किशनपुर 10.50 किलोमीटर और दूसरे चरण में दरभंगा-थलवाड़ा 9.50 किलोमीटर में दोहरीकरण का काम पूरा हुआ है। तीसरे चरण में किशनपुर-रामभद्रपुर के बीच काम पूरा हो चुका है। काम में देरी को देखते हुए इस योजना को फिर से शेष बचे रेलखंड को दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण में रामभद्रपुर- हायाघाट व दूसरे चरण में हायाघाट-थलवारा के बीच काम को पूरा करना है। रामभद्रपुर-हायाघाट के बीच पुल नंबर 14, 15 व 15 ए का निर्माण होना है। पुल नंबर 14 और 15 व 15 ए में से 15 व 15ए पुल पर काम पूरा कर लिया गया है। जबकि, पुल नंबर 14 पर काम शेष बचा हुआ था। इसी तरह हायाघाट- थलवारा के बीव बागमती व करेह नदी पर पुल नंबर 16 व 14 पर अभी काम चल रहा है।

नवंबर महीने तक काम पूरा करने का दावा

रेलवे के निर्माण विभाग के अधिकारियों का दावा है कि सभी पुलों का निर्माण नवंबर महीने तक पूरा कर लिया जाएगा। 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। हालांकि, पुलों के निर्माण में देरी हो सकता है। पुल बनने के बाद ही दोहरी लाइन पर परिचालन संभव है। हालांकि, रेलवे के निर्माण विभाग के अभियंताओं का दावा है कि पुलों का निर्माण जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। जिसके बाद दोहरी लाइन पर ट्रेनें दौड़ने लगेगी। डी आर एम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि पहले इस योजना को तीन चरणों में बांटा गया था, लेकिन काम में हो रही देरी को देखते हुए पूरी योजना को पांच चरणों में बांटा गया। अभी रामभद्रपुर- थलवारा के बीच काम चल रहा है। काम में देरी के पीछे कोराना मुख्य कारण रहा। दो सालों तक काम सही से नहीं हो पाया। उम्मीद है कि नवंबर महीने तक रामभद्रपुर से हायाघाट- थलवारा काम पूरा कर लिया जाएगा।

पहलगाम हमले में अबतक कोई आतंकी नहीं पकड़ा गया : दीपंकर

पटना, एजेंसी। भाकपा-माले के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक महीने पहले बिहार आए थे। तब पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों को मिट्टी में मिला देने की बात कही थी। अबतक एक भी आतंकी का सुराग नहीं मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान पर केंद्र सरकार खामोश है। अबतक देश को ठोस जानकारी नहीं दी गई है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के जवाबी हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों के परिजनों को सांत्वना देने या राहत प्रदान करने के लिए भी सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है। वे शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा भारतीयों की अपमानजनक निकासी, मनमाना टैरिफ थोपने और भारत-पाक युद्ध विराम की एकतरफा घोषणा पर केंद्र सरकार की चुप्पी विफल विदेश नीति को उजागर करती है। ऑपरेशन सिंदूर के समय दुनिया के किसी भी देश ने भारत का समर्थन नहीं किया। यह मोदी सरकार की कूटनीतिक असफलता का प्रमाण है। बिहार में जनता की सुरक्षा और भ्रष्टाचार के समूल उन्मूलन के लिए इंडिया गठबंधन को सत्ता में लाना अत्यंत आवश्यक है। इस मौके पर माले राज्य सचिव कुणाल, पोलित ब्यूरो सदस्य धीरेंद्र झा, विधायक दल के उपनेता सत्यदेव राम उपस्थित थे।

महिलाओं को बस चलाना सिखाएगी बिहार सरकार
पिंक बस के लिए लेडी ड्राइवर नहीं मिले थे

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार अब महिलाओं को बस चलाना सिखाएगी। परिवहन विभाग ने महिलाओं को बस चलाने के लिए प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया है। ड्राइविंग की ट्रेनिंग लेने के लिए 18 से 35 साल की उम्र की इच्छुक महिलाओं का चयन किया जाएगा। चयनित महिलाओं को गाड़ी चलाने का प्रशिक्षण दिलाकर विभाग ड्राइविंग लाइसेंस दिलाएगा। इसके बाद इनको पटना समेत अन्य शहरों में चलने वाली महिलाओं के लिए समर्पित पिंक बस की कमान सौंपी जाएगी। दरअसल, पिछले दिनों पिंक बस के लिए सरकार को महिला ड्राइवर नहीं मिल पाए थे, इसी कारण विभाग ने ट्रेनिंग का फैसला लिया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, बिहार राज्य पथ परिवहन निगम ने महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा और सुगम परिवहन देने के उद्देश्य से पिंक बस सेवा शुरू की है। पटना के साथ मुजफ्फरपुर, भागलपुर, पूर्णिया, गया और दरभंगा में 20 पिंक बसें चल रही हैं। जल्द ही 100 और बसों का परिचालन इन शहरों में होगा। बता दें कि पिंक बसों के लिए निगम ने बीते दिनों चालकों और संवाहकों (कंडक्टर) की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किया था। निगम से सम्बद्ध एजेंसी से इनका चयन होना था। इसके तहत निगम को 25 महिला ड्राइवर और 250 महिला संवाहक की जरूरत थी। निगम ने बिहार के साथ झारखंड से आवेदन मांगा था, लेकिन एक भी महिला ड्राइवर नहीं मिली। 90 महिलाओं ने कंडक्टर के लिए जरूर आवेदन किए। कुछ महिलाओं के आवेदन चालक के लिए आए भी, तो वे बस चलाने योग्य नहीं पाई गईं। यही कारण है कि निगम वैकल्पिक व्यवस्था के तहत फिलहाल पुरुष चालकों से ही पिंक बसों का परिचालन करा रहा है। हालांकि कंडक्टर के रूप में महिलाएं काम कर रही हैं।

मुफ्त ट्रेनिंग देगी सरकार

ड्राइवर के चयन होने के बाद इन महिलाओं को औरंगाबाद में आवासीय व्यवस्था के तहत बस चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इनसे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। गाड़ी चलाने की जानकारी होने पर निगम महिलाओं को बस चलाने के लिए विधिवत ड्राइविंग लाइसेंस भी दिलाएगा। इच्छुक महिलाओं को चालक प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम दसवीं पास होना जरूरी होगा। साथ ही शारीरिक रूप से स्वस्थ और फिट होना भी जरूरी होगा। निगम जल्द ही आवेदन जारी करेगा। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को चालक के रूप में काम करना होगा। बदले में उन्हें श्रम संसाधन विभाग की ओर से निर्धारित मानदेय दिया जाएगा।

सड़क पर साइड मांगने पर बदमाशों ने भाई-बहन को पीटा

दरभंगा में बाइक सवार स्टूडेंट्स जख्मी, मां बोली- नकाब पहनने के कारण बेटी को मारा

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में शुक्रवार की देर रात बाइक से लौट रहे भाई-बहन को कुछ बदमाशों ने पीटकर घायल कर दिया। दोनों का इलाज डीएमसीएच के इमरजेंसी विभाग में चल रहा है। मामला लहेरियासराय थाना क्षेत्र के बाकरगंज का है। घटना में घायल युवक रेहान और उसकी बहन जैनब बाकरगंज मुहल्ला निवासी शम्स आलम के बच्चे हैं। दोनों को बचाने पहुंची उनकी मां अंजुम आरा भी चोटिल हो गईं। अंजुम आरा ने बताया कि उनका बेटा रेहान, बेटी जैनब को करमगंज स्थित कोचिंग से बाइक पर लेकर लौट रहा था। रास्ते में शादी समारोह के कारण भीड़ थी। रेहान ने हॉर्न बजाकर साइड मांगी। इसी पर नशे में धुत बदमाशों ने दोनों पर हमला कर दिया। बेटी को भी इसलिए मारा है, क्योंकि उसने नकाब पहना हुआ था।

मां को भी मारपीट में लगी चोट

मारपीट में दोनों भाई-बहन सड़क पर गिर पड़े। रेहान ने घर फोन कर मां को बुलाया। अंजुम आरा मौके पर पहुंचीं। उन्हें भी मारपीट में चोट लगी। किसी तरह तीनों घर पहुंचे। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को डीएमसीएच भेजा। घटना की जानकारी मिलते ही समाजसेवी नफिसुल हक रिंकू सहित कई लोग डीएमसीएच पहुंचे। सभी ने घटना की निंदा की।

पुलिस प्रशासन से उपद्रवियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। लहेरियासराय थानाध्यक्ष अमीत कुमार ने बताया कि अब तक आवेदन नहीं मिला है। बेंता थाना को घायल ने अभी तक फर्द बयान भी नहीं दर्ज करवाया हैं।आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जायेगी।

हाइवा की टक्कर से गिरा मंदिर, ग्रामीण जख्मी

नालंदा, एजेंसी। शनिवार की अहले सुबह निर्माणाधीन पटना-राजगीर टूरिस्ट वे पर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। तेज गति में आ रही हाईवा ने मंदिर में टक्कर मार दी। जिसके कारण पूरा मंदिर परिसर क्षतिग्रस्त हो गया। ड्राइवर को नींद आने से हादसा हुआ है। घटना तेलमर थाना क्षेत्र के तेलमर बाजार के पास की है। स्थानीय निवासी सह पूर्व जिला पार्षद प्रत्याशी विक्की कुमार ने बताया कि करौटा की तरफ से तेज रफ्तार में आई हाईवा ने बजरंगबली के मंदिर में टक्कर मार दी। जिससे पूरा मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया है। हालांकि मंदिर के अंदर स्थापित बजरंगबली की मूर्ति को खरोच तक नहीं आई है। मंदिर में छिपे तेलमर निवासी सागर बिन्द दीवार के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये बारिश से बचने के लिए मंदिर में आए थे।

गाड़ी से भी टकराया हाइवा

घटनास्थल पर नवनिर्मित मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा हुई है और मेला लगा हुआ है। मन्दिर में टक्कर के बाद हाइवा थोड़ी दूर पर एक गाड़ी में टकरा गया। जिसके कारण गाड़ी सड़क किनारे पलट गई। बजरंगबली के मंदिर के ठीक विपरीत दिशा में नवनिर्मित मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा हुआ है। तेलमर थाना अध्यक्ष शत्रुघन कुमार शाह ने बताया कि सड़क हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया। पूछताछ में ड्राइवर ने बताया कि झपकी लगने की वजह से उसने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया और हाईवा जाकर मंदिर से टकरा गई। घटना में मंदिर में रुके एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए कल्याण विगहा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विकास के आंकड़े दिखाकर केंद्र से विशेष तोहफे मांगने की तैयारी

पटना, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार को दिल्ली में हो रही नीति आयोग की गवर्निंग बॉडी की बैठक में हिस्सा लेंगे। बिहार सरकार की तैयारी चुनावी साल के लिए विशेष तोहफे मांगने की है। इसके लिए सरकार की ओर से विकास के आंकड़े दिखाकर कुछ खास परियोजनाओं के लिए मदद पर फोकस करने की है। सम्राट चौधरी के साथ मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा और योजना सचिव के. सेंथिल कुमार भी दिल्ली जा रहे हैं।

नीति आयोग की गवर्निंग बॉडी की इस बैठक में देश के सभी राज्यों के मुख्यमंत्री को आमंत्रित किया गया है। बैठक में मुख्यमंत्री या उनके प्रतिनिधि हिस्सा लेकर अपने राज्यों के लिए मांग रखते हैं। नीति आयोग इन मांगों के आधार पर देशव्यापी योजनाओं की प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए एक्सपर्ट ओपिनियन तैयार कराता है। इसी के आधार पर भारत सरकार केंद्रीय योजनाओं और राज्यव्यापी जरूरतों के बारे में फैसला लेती है।

बिहार की ओर से उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी विजन 2047 के रोडमैप के आधार पर राज्य के लिए विशेष सहायता मांग सकते हैं। हालांकि, राज्य का विजन डॉक्यूमेंट अभी तक सामने नहीं आया है। विशेषज्ञों की मदद से इसे मुकम्मल रूप दिया जा रहा है। इसमें आजादी के 100 साल के बाद विकास की भावी रूपरेखा तैयार की जाएगी। इसके अलावा बिहार सरकार अपनी कई महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के लिए भी राशि की मांग कर सकती है।

तेज बारिश से रेलवे ट्रैक धंसा, बड़ी दुर्घटना टली

लखीसराय में आधे घंटे तक रुका ट्रेन परिचालन, अंडरपास में जलजमाव से ग्रामीण नाराज

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय में शुक्रवार सुबह जमालपुर-किऊल रेलखंड पर बड़ा रेल हादसा टल गया। पीरीबाजार में तेज बारिश के कारण रेल परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ। अभयपुर और मसूदन स्टेशन के बीच गेट संख्या 23 सीआरयूबी के पास रेलवे ट्रैक धंस गया, जिससे दो पैसेंजर ट्रेनों को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा। हालांकि, डाउन मालगाड़ी के गार्ड की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

गार्ड की सूझबूझ से बची जानें : मिली जानकारी के अनुसार, सुबह 7:02 बजे आनंद विहार से चलने वाली विक्रमशिला एक्सप्रेस अभयपुर स्टेशन से गुजर चुकी थी। उसके तुरंत बाद एक मालगाड़ी भी उसी पटरी से होकर निकली। मालगाड़ी के गार्ड ने ट्रैक पर असामान्य हलचल देखी और धंसी हुई पटरी को पहचान लिया। मालगाड़ी के गार्ड ने तुरंत अभयपुर स्टेशन मास्टर को इसकी सूचना दी। तत्परता दिखाते हुए स्टेशन मास्टर ने दोनों दिशाओं की ट्रेनों को तत्काल रोक दिया। इससे एक बड़ा हादसा टल गया।

दो पैसेंजर ट्रेनों को रोका, मरम्मत का कार्य शुरू : इस दौरान किउल-जमालपुर अप पैसेंजर (73421) को मसूदन और किउल-जमालपुर डाउन पैसेंजर (53480) को अभयपुर स्टेशन पर ही रोक दिया गया। स्टेशन मास्टर की सूचना पर वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और ट्रैक की मरम्मत का कार्य शुरू हुआ। करीब डेढ़ घंटे तक रेल परिचालन प्रभावित रहा। हालांकि, स्टेशन अधीक्षक के अनुसार, ट्रेनों की आवाजाही केवल 30 मिनट (8:40 से 9:10 बजे तक) बाधित रही।

बेनीपुर अंडरपास में जलजमाव, ग्रामीणों का प्रदर्शन : वहीं, बेनीपुर गांव के पास नवनिर्मित रेलवे अंडरपास में मूसलाधार बारिश के कारण 10-12 फीट तक पानी भर गया। इससे अभयपुर-धरहरा के बीच सड़क मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया। दो स्कूली वाहन पानी में फंस गए, हालांकि, ड्राइवर सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे।

जलजमाव से ग्रामीण नाराज, आधे घंटे तक प्रदर्शन : जलजमाव से नाराज़ ग्रामीणों ने रेल ट्रैक पर करीब आधे घंटे तक प्रदर्शन कर ट्रेन परिचालन रोक दिया। सूचना मिलते ही पीरीबाजार थानाध्यक्ष, आरपीएफ जमालपुर, जीआरपी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। अधिकारियों ने अंडरपास से पानी निकालने और समस्या के स्थायी समाधान का आश्वासन दिया, जिसके बाद ग्रामीणों ने ट्रैक खाली किया। ग्रामीणों ने बताया कि हर बारिश में अंडरपास में पानी भर जाता है, जिससे आवागमन में भारी परेशानी होती है। वे वर्षों से इस समस्या से जूझ रहे हैं और अब स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. अम्बेदकर समग्र सेवा अभियान के तहत् विशेष विकास शिविर का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के कुल 97 अनु.जाति एवं अनु. जनजाति टोलों में शनिवार को डॉ. अम्बेदकर समग्र सेवा अभियान के तहत् विशेष विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सरकार के द्वारा संचालित कुल 22 योजनाओं से लगभग कुल 4377 अनु.जाति एवं अनु. जनजाति के व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया तथा उनकी समस्याओं का निराकरण किया गया। सौरभ जोरवाल, जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार आयोजित शिविर स्थल का निरीक्षण जिले के वरीय पदाधिकारियों के द्वारा कराई गई, साथ ही निर्देशित किया गया कि आयोजित शिविर में नामित पदाधिकारियों एवं कर्मियों की अनुपस्थिति पाये जाने पर एक दिन के वेतन की कटौती कर अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी। इस संदर्भ में जिला पदाधिकारी द्वारा आयोजित शिविर का नियमित रूप से अनुश्रयण भी किया जा रहा है। दिवेश दिवाकर, जिला कल्याण पदाधिकारी द्वारा बताया गया है कि यशवंत कुमार, वरीय उप समाहर्त्ता के द्वारा पकड़ीदयाल प्रखण्ड के धनौजी पंचायत अन्तर्गत मठया मुशहर टोला पूर्वी में सरकार के विभिन्न योजनाओं से वंचित व्यक्तियों को योजनाओं से लाभान्वित कराया गया, साथ हीं उनके समस्याओं का भी निराकरण किया गया।

डॉक्टर से 15 हजार नकद सहित सोने की चेन की कथित लूट मामले में प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। मोतिहारी/हरसिद्धि। हरसिद्धि थाना क्षेत्र अंतर्गत छपवा मुख्य मार्ग पर गुरुवार रात्रि लगभग 8:45 बजे एक चिकित्सक के साथ लूटपाट की सनसनीखेज घटना सामने आई है। बताया गया है कि बाइक सवार छह से सात बदमाशों ने डॉक्टर अजीत सिंह, पिता श्रेष्ठ नारायण सिंह, से 15 हजार रुपये नकद और लगभग 2.30 लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन लूट ली। थाने में दिए गए लिखित शिकायत के अनुसार घटना के समय डॉक्टर अजीत सिंह अपने नवनिर्मित क्लीनिक से पानापुर पंचायत स्थित अपने गांव तधवा लौट रहे थे। जहाँ पहले से घात लगाए बदमाशों ने रास्ते में उन्हें घेर लिया, मारपीट करने लगे और जान से मारने की धमकी देते हुए गाली-गलौज की। इसके बाद लूट को अंजाम दिया गया। डॉक्टर ने दावा किया कि यह पूरी घटना सुनियोजित तरीके से की गई। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर एक आरोपी की पहचान पानापुर तधवा निवासी रामबाबू यादव के पुत्र आकाश कुमार के रूप में हुई है। पीड़ित डॉक्टर ने बताया कि आरोपी आकाश पहले भी उनसे रंगदारी के रूप में 10,000 रुपये ले चुका है। जिसको लेकर डॉ. अजीत ने इस संबंध में हरसिद्धि थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और जांच कई पहलुओं से की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपी के साथ डॉक्टर का पहले से विवाद रहा है। आरोपियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीन दिवसीय मशाल प्रतियोगिता का सफल आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी/हरसिद्धि। थाना क्षेत्र अंतर्गत घोगराहा बैरिया पंचायत में बिहार सरकार के शिक्षा विभाग एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकार के संयुक्त तत्वावधान में "मशाल-2024" का आयोजन संकुल उच्च माध्यमिक विद्यालय बैरियाडीह द्वारा किया गया। यह प्रतियोगिता राजकीय प्राथमिक विद्यालय बैरिया टाल के प्रांगण में 22 मई से 24 मई तक संपन्न हुई। तीन दिवसीय इस आयोजन में दौड़, ऊँची कूद, लंबी कूद, कबड्डी सहित विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान हेतु प्रशस्ति पत्र और टी-शर्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। खेल के दौरान कुछ प्रतिभागियों को मामूली चोटें आईं, जिनका प्राथमिक उपचार सीएचओ कम्युनिटी सेंटर की रूबी राय द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों की सूची जिला कार्यालय को भेजी जाएगी। जिला स्तर पर चयनित छात्र-छात्राओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने का अवसर मिलेगा, और वहां से चयनित प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक विकास चंद्र, शिक्षक दयानंद सिंह, नंदू राम, अन्य गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

आंतरिक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी : भागलपुर। गणपत राय सलारपुरिया सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर में शनिवार को सीबीएसई द्वारा प्रायोजित आंतरिक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेश कुमार, उप प्रधानाचार्य अभिनंदन कुमार सिंह, प्रभारी ममता जायसवाल, प्रशिक्षक अजय कुमार एवं गौतम भारती ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण के क्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेश कुमार ने कहा कि नए सत्र का प्रथम प्रशिक्षण जीवन कौशल पर आधारित है, जो आज के संदर्भ में अत्यंत ही प्रासंगिक है। जीवन में विकास और सफलता प्राप्त करने के लिए जीवन कौशल का विकास अत्यंत ही आवश्यक है। शिक्षक शिक्षा प्रदान करते है, लेकिन वह एक बहुत ही अच्छे काउंसलर भी होते हैं। छात्रों के विकास के लिए उनका सही दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन आवश्यक होता है। गलतियों से सीखना, अपने कमियों को जानना, दूसरों के अच्छाइयों को ग्रहण करना यह सभी सदगुण सफलता के लिए आवश्यक होते हैं। इन कौशल के विकास से आज के दौर में आने वाले चुनौतियों का सामना करने में हमें मदद मिलता है। इस अवसर पर डॉ संजीव कुमार झा, मीडिया प्रभारी दीपक कुमार झा, शशि भूषण मिश्र, अभिमन्यु कुमार एवं सभी आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित थे।

जिले में अब तक कुल 2044 महिला संवाद कार्यक्रम का हुआ आयोजन, 4 लाख से अधिक महिलाओं ने लिया हिस्सा

बीएनएम। मोतिहारी

महिला संवाद के आयोजन से ग्रामीण महिलाओं की आवाज पुरे जिले में गूंज रही है। अपने अधिकारों के लिए हर मंच से अपने और अपने समाज के विकास के लिए सरकार और प्रशासन को सुझाव दे रही हैं। जिले की आधी आबादी की जो अब अपने अधिकार और कर्तव्यों के प्रति सजगता से समाज को नई दिशा दे रही है। समाज को नई दिशा एवं महिला स्वावलंबन तथा सशक्तिकरण को महिला संवाद कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को मुखर होने का अवसर प्रदान किया है। महिला संवाद कार्यक्रम पिछले डेढ़ माह से पुरे राज्य के गाँव-गाँव में जारी है जहाँ महिलाएं राज्य सरकार की योजनाओं से मिले लाभ और समाज पर पड़े सकारात्मक प्रभाव को अपने ही अंदाज में बयां कर रही हैं। महिला संवाद कार्यक्रम में राज्य में सरकारी योजनाओं की सफलता पर आधारित लघु फिल्मे भी दिखाई जा रही हैं साथ ही लीफलेट के माध्यम से बताई जा रही है और इसके अलावा मुख्यमंत्री का सन्देश पत्र भी वितरित किया जा रहा है ताकि महिलाएं राज्य में महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन से वाकिफ़ हों और योजनाओं से निरंतर लाभान्वित होते रहे। पूर्वी चंपारण जिले मे आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं की सहभागिता काफी प्रबल रूप से देखी जा रही है। प्रतिदिन दो पालियों में सुबह और शाम में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं की बढती संख्या और उनके घर वालों का सहयोग यह दर्शाता है कि इस कार्यक्रम से सभी को उम्मीदें हैं, लिहाजा गाँव में अब तक जो सुविधाएँ और योजनायें नहीं पहुँच पाई है उसे महिलाएं सरकारी पंजी में दर्ज करा रही हैं। इस कार्यक्रम में महिलाएं नई-नई इच्छाओं एवं अपेक्षाओं को व्यक्त कर रही हैं, जिसमे व्यक्तिगत एवं सामूहिक दोनों प्रकार की समस्याएं एवं सुझाव शामिल है। जैसे व्यक्तिगत तौर पर घर में शौचालय के मरम्मती हेतु मदद चाहिए तो दूसरी तरफ सामुदायिक स्तर पर सामुदायिक भवन की मांग है, सभी को उम्मीद है कि उनके हर मांग को सरकार पूरा करेंगी और उनकी परिकल्पना एवं आकांक्षाओं से एक नए बिहार का निर्माण होगा। आंगनवाड़ी में पढ़ने वाली छात्राओं ने केंद्र के भवन देने के साथ ही पठन-पाठन की सुविधा बढाने की मांग की है। वहीं इन केन्द्रों पर पढने वाले छात्र छात्राओं के परिजनों ने केंद्र को प्ले स्कुल के तर्ज पर विकसित करने की मांग की है l इसके अंतर्गत घोड़ासहन प्रखंड के सागर ग्राम संगठन, गुलाब ग्राम संगठन, कल्याणपुर, चंदा ग्राम संगठन, सुगौली, प्रभात ग्राम संगठन बंजरिया प्रखंड सही सभी प्रखंडों में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया एवं महिला सशक्तिकरण अभियान में ग्रामीण महिलाओं के द्वारा भागीदारी निभाते हुए और वीडियोग्राफी के माध्यम से मुख्य मंत्री का संदेश प्रसारित किया गया। गाँव में गरीबी उन्मूलन हेतु स्वयं सहायता समूह से महिलाओं को जोड़कर उन्हें सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने की दिशा में बढ़ते कदम के बाद महिला संवाद कार्यक्रम महिलाओं को मुखर एवं उनके अधिकारों से रू-ब-रू कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो वास्तव में समुदाय के विकास में सहायक होंगी। जिले में अब तक कुल 2044 महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा चूका है जिसमे 4 लाख से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया।

9 वर्ष से 26 वर्ष के लड़कियों व औरतों को कैंसर से बचाव हेतु दी गई सर्वा बैग नामक टीका

बीएनएम। मोतिहारी

लायंस कपल क्लब ऑफ मोतिहारी एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन आईएमए के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क नारी स्वास्थ्य शिविर एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन मदन राज नर्सिंग होम में आयोजित किया गया, जहां नौ वर्ष से छब्बीस वर्ष के लड़कियों व औरतों को कैंसर से बचाव हेतु सर्वा बैग नामक टीका दिया गया। प्रत्येक टीका लेनेवाले लड़कियों को दो डोज लेने की सलाह डॉ. जसबीर शरण और डॉ. खुशबू के द्वारा दी गई। इस कड़ी में पहला डोज लगभग अस्सी लड़कियों को दिया गया। बिहार चैप्टर के आईएमए अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण ने लोगों से अपील करते हुए एंटी सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए अपने घर के नौ वर्ष से लेकर छब्बीस वर्ष तक के लड़कियों व औरतों को दो डोज में सर्वा बैक टीका लेने की सलाह दी ताकि आनेवाले समय में इस खतरनाक बीमारी से बचा जा सके। वहीं डॉ. जसबीर शरण ने कहा कि कम उम्र में भी सर्वाइकल कैंसर के लक्षण देखे और पाए जा रहे है जो एक खतरनाक संकेत है इसलिए पेरेंट्स को जागरूक होकर इस टीका के महत्व को समझना चाहिए। डॉ. खुशबू ने बच्चियों को टीका लगाया और और उन्हें आज के दिन को जोड़ते हुए ठीक छह महीने बाद दूसरा टीका लेकर सुरक्षित रहने की सलाह दी। लायंस कपल क्लब और आईएमए के संयुक्त प्रयास से जांच शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में औरतों की जांच की गई और उन्हें दवाइयां भी दी गई। इस आयोजन में लायंस कपल क्लब के फाउंडर सह बिहार आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आशुतोष शरण, डॉ. जसबीर शरण, डॉ. विभु पाराशर, डॉ. राकेश चंद्रा, चंदू मिश्रा, अंगद सिंह, प्रमोद लोहिया, मालती मिश्रा, रेणु लोहिया, कविता अग्रवाल, उमा मोहता, सिमरन कुमारी सहित अन्य ने कार्यक्रम में उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाया।

एमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल में प्री-प्राइमरी वर्गों के लिए परिचयात्मक अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के एम.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल में शनिवार को प्री-प्राइमरी विंग (नर्सरी, एल.के.जी. और यू.के.जी.कक्षाओं) के लिए परिचयात्मक अभिभावक-शिक्षक बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक में प्री-प्राइमरी विंग के 100 से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया, जिससे स्कूल और अभिभावकों के बीच सहयोग की भावना और अधिक प्रबल हुई। यह कार्यक्रम स्कूल के प्राचार्य सरदार सतनाम सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिन्होंने बच्चों की समग्र विकास प्रक्रिया के लिए शिक्षकों और अभिभावकों के बीच सशक्त संबंध की आवश्यकता पर बल दिया। प्राचार्य श्री सिंह ने कहा, कि "इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों और शिक्षकों के बीच सार्थक सहयोग को प्रोत्साहित करना है, जिससे हम बच्चों के भावनात्मक, शैक्षणिक और सामाजिक विकास को और बेहतर ढंग से दिशा दे सकें।" इस अवसर पर कक्षा शिक्षकों ने प्रत्येक विद्यार्थी की अकादमिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट तैयार की, जिसमें बच्चों की कमजोरियों और विशेषताओं का स्पष्ट उल्लेख किया गया। अभिभावकों को उनके बच्चों की प्रगति की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया गया। कक्षा शिक्षकों ने प्रत्येक अभिभावक को व्यक्तिगत फीडबैक प्रदान किया और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें हर संभव सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी अकादमिक कोऑर्डिनेटर नम्रता शर्मा द्वारा की गई। इस बैठक में प्रियदर्शिनी, सविता, नेहा, प्रियांका और अंजली जैसी समर्पित शिक्षिकाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और अभिभावकों को उनके बच्चों की वास्तविक स्थिति समझने में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। विद्यालय ने अभिभावकों के साथ निरंतर संवाद और सहयोग के माध्यम से हर बच्चे की प्रतिभा को निखारने के अपने संकल्प को दोहराया। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विद्यालय के प्राचार्य सरदार सतनाम सिंह ने दी है।

प्रोजेक्ट स्कूल की छात्राओं ने कबड्डी में किया शानदार प्रदर्शन, मेजबान मधुबन को दी मात

» खेल से ही बनता है मजबूत राष्ट्र : राणा रणधीर

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के उच्च विद्यालय, मधुबन के प्रांगण में चल रहे तीन दिवसीय मशाल खेल प्रतियोगिता का समापन शनिवार को उल्लासपूर्ण और गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता के अंतिम दिन का माहौल रोमांच और उत्साह से भरा रहा। मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक सह पूर्व मंत्री इंजीनियर राणा रणधीर सिंह ने विजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए और अपने प्रेरणादायी संबोधन से सभी प्रतिभागियों और शिक्षकों को उत्साहित किया। मुख्य अतिथि राणा रणधीर ने अपने संबोधन में कहा, "खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि अनुशासन, परिश्रम, सहयोग और नेतृत्व जैसे जीवनमूल्य सिखाने का माध्यम है। एक स्वस्थ और सशक्त राष्ट्र का निर्माण खेलों के माध्यम से ही संभव है।" उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि खेलों से जीवन में संतुलन आता है और यह शिक्षा का पूरक है। उन्होंने शिक्षकों की भूमिका की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि देश के भविष्य का निर्माण उनके हाथों में है, इसीलिए उन्हें 'राष्ट्र निर्माता' कहा जाता है। प्रतियोगिता के तीसरे दिन बालिकाओं ने दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया। प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय की अंडर-16 छात्राओं ने कबड्डी के फाइनल में मेजबान मधुबन उच्च विद्यालय की टीम को 26-20 अंकों से पराजित कर विजयी ट्रॉफी अपने नाम की। इसी प्रकार अंडर-14 वर्ग में भी प्रोजेक्ट की बालिका टीम ने मधुबन बालक टीम को 25-18 के अंतर से हराकर प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी सीमा कुमारी ने की, जबकि मंच संचालन का दायित्व डॉ. राकेश कुमार सिंह ने प्रभावशाली तरीके से निभाया। प्रतियोगिता के आयोजन में शिक्षकों, छात्रों और स्थानीय समुदाय का भरपूर सहयोग देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय के अनेक शिक्षकगण उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से – खेल शिक्षक अशोक कुमार, अरुण यादव, शिवशंकर साह, संतोष कुमार, भारती कुमारी, अजय कुमार, नीतीश मिश्रा, स्वीटी सिंह, मोहम्मद सोहैल, अचला रानी, पूजा सिंह, कृष्ण कुमार चौधरी, सुप्रिया, मनीषा मृदुला, स्मिता, नूतन, शिवानी, संत कुमार सिंह, कौशल गौतम, राजकुमार, विजय कुमार, शशिशेखर, अशोक राम, लखींद्र यादव और देवकांत राम शामिल थे।

दुलमा शाखा डाकघर में सायंकालीन डाक चौपाल का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

चंपारण प्रमंडल के दुलमा शाखा डाकघर में सायंकालीन डाक चौपाल का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर मधुबन विधायक-सह-पूर्व सहकारिता मंत्री, बिहार सरकार ई. राणा रणधीर सिंह ने आमजनों को संबोधित करते हुए उन्हें डाकघर से जुड़ने की अपील की साथ ही डाक विभाग के इस सायंकालीन डाक चौपाल के आयोजन की काफी सराहना भी की। इस चौपाल में जनप्रतिनिधियों के अतिरिक्त जीविका समूह व आंगनबाड़ी में कार्यरत महिलाओं ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज की। डाक चौपाल में 300 से ज्यादा लोग उपस्थित थे जिसमें 50% उपस्थिति लगभग महिलाओं की रही। डाक चौपाल से पहले स्थानीय विद्यालयों में बच्चों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया और मुख्य अतिथि के द्वारा उन्हें सम्मानित भी करवाया गया। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर डाक अधीक्षक आशुतोष आदित्य द्वारा दिया गया है।

बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष बने रामकृष्ण जबकि सचिव बने राजीव कुमार

» प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने सभी नवनिर्वाचित कर्मचारी संघ के पदाधिकारी को हृदय से दिए हैं बधाई

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ, पटना के बी.आर.ए.बी.यू प्रक्षेत्र, मुजफ्फरपुर के जिला इकाई संघ का चुनाव शनिवार को शहर के एसएनएस कॉलेज में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष के पद पर एसएनएस महाविद्यालय के प्रशाखा पदाधिकारी रामकृष्ण जबकि सचिव पद पर एलएनडी कॉलेज के प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार को चुना गया। संघ के संरक्षक के पद पर मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्रमोद कुमार, उपाध्यक्ष के पद पर एसएनएस महाविद्यालय के विजय कुमार, राजेश सिंह, संयुक्त सचिव के पद पर कमलेश यादव तथा एलएनडी कॉलेज के कामेश भूषण और कोषाध्यक्ष के पद पर एलएनडी कॉलेज के अखिलेश कुमार को चुना गया। लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने सभी नवनिर्वाचित कर्मचारी संघ के पदाधिकारीगण को हृदय से बधाई दिए हैं। वहीं संघ के सभी सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाइयां और शुभकामनाएं देते हुए कर्मियों के हित में निरंतर आवाज उठाने की अपील की। नवनिर्वाचित जिला सचिव राजीव कुमार ने बताया कि कर्मियों के अनेक समस्याओं का अतिशीघ्र समाधान कराना ही मुख्य प्राथमिकता है। इस अवसर पर संजीव किशोर, मणिभूषण, आशुतोष कुमार, आलोक पांडेय, कुणाल आनंद, अमित कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

संकुल स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

विजेता खिलाड़ियों को मिला मेडल और प्रशस्ति पत्र अब बीआरसी स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

बीएनएम। मोतिहारी

तिरहुत उच्च विद्यालय, मेहसी के खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय संकुल स्तरीय मशाल खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेल विधाओं में दमदार प्रदर्शन कर न केवल दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, बल्कि अपनी प्रतिभा से यह भी सिद्ध कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेल के क्षेत्र में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। मिशन मशाल के तहत मिला मंच। इस प्रतियोगिता का आयोजन बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन मशाल के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य है विद्यालयी स्तर पर छिपी खेल प्रतिभाओं को खोजकर उन्हें राज्य व राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना। इस पहल के माध्यम से बच्चों को न केवल एक मंच मिला, बल्कि आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व कौशल विकसित करने का भी अवसर प्राप्त हुआ। संकुल समन्वयक एवं तिरहुत उच्च विद्यालय के प्राचार्य शैलेन्द्र कुमार टुन्नू, मध्य विद्यालय घरीयारीचक के शिक्षक डॉ. हूलास नारायण यादव, प्रधानाध्यापिका मंजू कुमारी एवं संकुल के अन्य शिक्षकों द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का संचालन राज्यस्तरीय उद्घोषक के रूप में पहचान बना चुके शिक्षक तारकेश्वर दुबे ने किया। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में कबड्डी, थ्रो बॉल, फुटबॉल एवं एथलेटिक्स जैसे खेलों में सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में शारीरिक शिक्षक नवनीत कुमार मिश्रा एवं शिक्षक राजकुमार प्रसाद की अहम भूमिका रही। इस प्रतियोगिता में तिरहुत उच्च विद्यालय और जीएमएस घरीयारीचक के खिलाड़ियों का प्रदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। प्रतियोगिता के अंत में 50 से अधिक विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित खिलाड़ियों में प्रमुख रूप से अस्मिता रानी, प्रियांशु, शिमा, दीपांशु, मानसी, पुतूल, अंशु, पुष्पांजलि, प्रीता, रिनी, खुशी, अंकिता, अमृता, सन्नी, अतुल, मोहम्मद अहमद, आदर्श, सुजीत, सोनू, शिवम, अंकित, कृष्ण कुमार मिश्रा, सूरज, आयुष, शुभम, उज्ज्वल, मानिक, दिलशाद, अविनाश, मोहित, मनजीत, सुधांशु, राजा बाबू, रवि, मनीष रंजन आदि शामिल थे। अब ये विजेता खिलाड़ी प्रखंड स्तर (बीआरसी) पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे और उम्मीद है कि वहां भी यह खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाएंगे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि मिशन मशाल जैसी योजनाएं ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों के लिए वरदान साबित हो रही हैं। इनसे न केवल उनकी प्रतिभा को पहचान मिल रही है, बल्कि भविष्य में खेल को कैरियर के रूप में अपनाने की दिशा में यह एक मजबूत आधार भी बन रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्राचीन उदाहरण है वटवृक्ष की पूजा

बीएनएम। बगहा: परमात्मा की प्रसन्नता प्राप्त करने हेतु प्रकृति से जुड़े रहना हर भारतीय के संस्कार में है, हम धरती को मां मानते हैं। प्रकृति को देवता जैसे पूजने की हमारी संस्कृति है। उक्त बातें हरदेव प्रसाद इण्टरमीडिएट कालेज मधुबनी के पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय ने कही। वे पर्यावरण प्रेमियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सत्य है की प्रकृति की रक्षा के लिए समाज को जागरूक होना होगा। प्रकृति ने हर मौसम के हिसाब से पेड़ पौधों की संरचना की है हम अपने व्रत एवं पर्व त्योहार को मनाने के लिए शुद्ध रूप से वृक्षों पर निर्भर है कोई भी ऐसा त्यौहार नहीं है। जिसमें पेड़ पौधों का योगदान न हो। कहा कि आगामी 26 मई को वट सावित्री अमावस्या के दिन बरगद (वटवृक्ष)की पूजा अर्चना श्रद्धापूर्वक परिवार की महिलाओं द्वारा की जाएगी। वट सावित्री व्रत सौभाग्य को देने वाला और संतान की प्राप्ति में सहायता देने वाला व्रत माना गया है। भारतीय संस्कृति में यह व्रत आदर्श नारीत्व का प्रतीक बन चुका है। इस व्रत की तिथि को लेकर भिन्न मत हैं। स्कंद पुराण तथा भविष्योत्तर पुराण के अनुसार ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को यह व्रत करने का विधान है, वहीं निर्णयामृत आदि के अनुसार भी ज्येष्ठ मास की अमावस्या को व्रत करने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि वट सावित्री व्रत सनातन धर्म की सबसे प्रमुख व्रत परंपराओं में से एक है, जिसे विशेष रूप से विवाहित महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, सौभाग्य और समृद्ध जीवन के लिए करती हैं। इस व्रत का वर्णन महाभारत, स्कंद पुराण, और व्रतराज जैसे शास्त्रों में विस्तार से मिलता है। इस दिन स्त्रियां वट वृक्ष की पूजा करती हैं। सौभाग्य, अखंड वैवाहिक जीवन, पुत्र-पौत्रों का सुख और पारिवारिक सुख-शांति प्रदान करें।

अलग-अलग मामले में तीन गिरफ्तार

बीएनएम। जमुई/ झाझा। अलग अलग मामले में फरार चल रहे तीन नामजद अभियुक्त को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अलग अलग जगहों से गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि गिरफ्तारी में केराकादो निवासी सिंटू कुमार उर्फ पिंटू साह, धमना गांव के रहने वाले मेघरु मांझी, शैर गांव के रहने बिरजू ठाकुर शामिल है। तीनों मामला दर्ज होने के बाद फरार चल रहा था। कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद गिरफ्तार तीनो अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

योगापट्टी स्वास्थ्य केंद्र में मोबाइल की रोशनी से किया गया का इलाज

बीएनएम। योगापट्टी संवाददाता : योगापट्टी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से एक नया मामला सामने आया है जहां मोबाइल की रोशनी से एक युवक का इलाज किया जा रहा है आपको बता दे की योगापट्टी प्रखंड के बंगाली कॉलोनी चौक पर शुक्रवार की देर रात करीब 10:00 बजे दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसके इलाज के लिए 112 की टीम द्वारा अपने वाहन से स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां इलाज के दौरान अस्पताल की लाइट चली गई जिसके बाद 112 पुलिस के मोबाइल की लाइट से घायल व्यक्ति का इलाज हुआ जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि प्रातः आवाज पेपर नहीं करता है वीडियो वायरल होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है वहीं स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी से दूरभाष के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया जिसका प्रतिक्रिया नहीं ले पाया गया।

तेजस्वी यादव का मीम अटैकः डबल इंजन सरकार को बताया डबल बोझ, पोस्टर वायरल

बीएनएम। पटनाः बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच पोस्टर पॉलिटिक्स ने जोर पकड़ लिया है। शनिवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक विवादास्पद लेकिन असरदार पोस्टर जारी कर भाजपा-जदयू गठबंधन की "डबल इंजन सरकार" पर करारा हमला बोला।पोस्टर में एक खटारा, पुरानी कार दिखाई गई है, जिसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चला रहे हैं और बगल की सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठे हैं। कार की छत पर 2005 से 2025 तक बिहार पर पड़ी समस्याओं को बोरे के रूप में दिखाया गया है। इन बोरों पर अपराध, बेरोजगारी, पलायन, शिक्षा की बदहाली, स्वास्थ्य संकट, भ्रष्टाचार और महिला असुरक्षा जैसे मुद्दे लिखे हैं।तेजस्वी यादव ने इस पोस्टर के माध्यम से दावा किया कि एनडीए की "डबल इंजन सरकार" वास्तव में बिहार पर "डबल बोझ" साबित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते 20 वर्षों में सत्ता में बने रहने के बावजूद सरकार राज्य की बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं कर सकी।यह पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और सियासी हलकों में बहस का विषय बना हुआ है। राजद समर्थकों ने इसे एक सशक्त प्रतीकात्मक हमला बताया है, जबकि एनडीए खेमे की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।तेजस्वी यादव का यह पोस्टर वार को आगामी चुनावी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें युवा, बेरोजगारी और विकास के सवालों को केंद्र में लाने की कोशिश की जा रही है। अब देखना होगा कि सत्तापक्ष इसका जवाब किस तरह देता है।

एनडीए की जीत सुनिश्चित करने को जदयू की बैठक

बीएनएम। बगहाः बिहार प्रदेश जदयू इकाई के किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के बगहा प्रखंड अध्यक्ष रत्नेश कुमार पांडेय की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक वाल्मीकि नगर में आयोजित की गई। जिसमें बिहार प्रदेश महा सचिव डॉ. अभिषेक मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। वहीं इस प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष विमलेंदु सिंह उर्फ मुन्ना सिंह ने बगहा पुलिस जिला के आधा दर्जन प्रखंडों का दौरा कर सभी पदाधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठक में कहा कि सबसे पहले टीम में बेहतर कार्य को देखते हुए वाल्मिकीनगर के मोहम्द साहिल को जिला महा सचिव के पद पर मनोनीत किया गया है। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के किसान हित में कल्याणकारी योजनाओं को जिले में चलो गांव की ओर के तहत जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही किसानों की समस्याओं को दूर करने की विशेष पहल करना इस प्रकोष्ठ की अंतिम लक्ष्य है। साथ ही किसानों के दरवाजे से लेकर उनके खेत खलिहान तक पहुंच कर जदयू किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के अहम सदस्य बनाया जा रहा है। इसी संदर्भ में बिहार प्रदेश महा सचिव डॉ. अभिषेक मिश्रा ने बताया कि 90 के दशक में मौजूदा सरकार के समय सड़क, बिजली, नदारद रही थी। सड़क में गड्ढा था कि गड्ढे में सड़क था। समझना बिहार के जनता के लिए एक पहेली बन गई थी। वहीं पूरे बिहार में जंगल राज का दबदबा रहा था। साथ ही उस समय लोग असुरक्षित महसूस कर रहे थे।लोग अपने घरों में शाम के 4 बजे तक वापस लौट कर अपने परिवार में सम्मिलित होना बड़ी बात थी। वहीं 2005के एनडीए गठबंधन की सरकार में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने तो आज परिवेश में लोग अपने बहू बेटियों एवं माता बहनों को 12बजे रात में कहीं भी आ जा सकते हैं। वहीं 2025के बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की सरकार को फिर से मोदी नीतीश कुमार की सरकार लाने के लिए जन जन तक उनके बेहतर कार्यों को पहुंचाने का कार्य प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को बखूबी जिम्मेदारी सौंपी गई है।अबकी बार एनडीए गठबंधन की सरकार 243में से 225 सीट जीत कर फिर से नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के रूप में देखना हम कार्यकर्ताओं का मुख्य लक्ष्य होगी। इस बैठक में किसान एवं सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष टुन्ना पांडेय, जिला महा सचिव सद्दाम हुसैन, प्रखंड अध्यक्ष रत्नेश पांडेय, जिला प्रवक्ता अभय उपाध्याय जिला महा सचिव मोहम्द साहिल , टमाटर मियां, मुस्तिकीम मियां, सहीम मंसूरी, वजीर मियां, शरीफ मियां, दिलदार मियां, बिरन पंडित तथा रघुनाथ पंडित सहित दर्जनों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

नाले और सड़क की दुर्दशा पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, किया विरोध प्रदर्शन

» ग्रामीणों ने चंदे से नाली की सफाई की
» सड़क पर मिटटी भराई का कार्य भी किया

पंचायत स्तर पर अब तक उदासीनता बरतने पर लोग हैं आक्रोशित

विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण

बीएनएम। लौरिया

प्रखंड क्षेत्र की बगही बसवरिया पंचायत के बसवरिया देवराज गांव के दलित बस्ती वार्ड संख्या 12 में नाले की बदहाली से ग्रामीणों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रोड के किनारे अधूरा और टूट चुका नाला जल निकासी में बाधा बन चुका है। जिससे कई घरों और गलियों में पानी भरा हुआ है। इससे न केवल आवागमन बाधित हो रहा है, बल्कि संक्रमण फैलने का भी खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि नाले से पानी का बहाव रुक जाने के कारण आए दिन घरों के सामने जलजमाव हो जाता है। इससे आपसी विवाद की स्थिति पैदा हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पंचयात स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक इस समस्या से अवगत कराया गया था। लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ। लोगो का कहना है कि ग्रामीण लोगो से चंदा इकठा कर इस नाली कि सफाई करा रहे है। वही ग्रामीणों का कहना है कि अगर इस समस्या का हल नहीं हुआ तो वे लोग प्रखंड मुख्यालय में जाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।ग्रामीणों ने प्रखंड प्रशासन से मांग की है अविलम्ब नाले की मरम्मत कर जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि जनजीवन सामान्य हो सके तथा गांव को बीमारियों और गंदगी से राहत मिल सके। वही प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक कुमार यादव से संपर्क करने पर बताये कि सूचना मिला है जल्द ही ग्रामीणों के समस्या के समाधान हेतु सकारात्मक प्रयास पंचायत स्तर किया जायेगा।मौके पर बुचुन मियां, अमरावती देवी,चंद्रावती देवी,महेंद्र राम,असमोहामद मिया,जगरूप राम,मंगनी मिया, हाफिज मिया,भोर राम,सोना देवी,ललिता देवी,चंदा देवी,गनी मियां,पन्ना देवी मगनी मियां सहित सैकड़ो ग्रमीण मौजूद थे।

केआरके मैदान में किया गया पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण को लेकर केआकरके मैदान में पौधा लगाते लोग

बीएनएम। लखीसराय

शहर के केआरके उच्च विद्यालय मैदान परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय बन्धुत्व (भाई) दिवस पर पर्यावरण भारती द्वारा देव वृक्ष पीपल, गूलर तथा फलदार वृक्ष बड़हर, शरीफा एवं नीम के 9 पौधे लगाए गए। पौधारोपण का नेतृत्व पर्यावरण प्रहरी दिनेश मल्लिक ने किया।पर्यावरण भारती के संस्थापक राम बिलास शाण्डिल्य ने कहा कि संसार में बढ़ती मानव जनसंख्या के कारण ही जंगलों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। परिणामस्वरूप जलवायु परिवर्तन का वीभत्स रूप दिखाई देने लगा है। कुछ दिन पहले बंगलुरू नोएडा, दिल्ली में भीषण बर्षा से जन जीवन तबाह हो गया था। चक्रवात, भूस्खलन ,बज्रपात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने लोगो से अपील करते हुये कहा की अपने घरों के आसपास प्रत्येक मानव कम से कम 10 पेड़ अवश्य लगायें शाण्डिल्य ने बताया कि 24 मई 2005 में पहली बार अलबामा के सी डैनियल रोड्स ने राष्ट्रीय बन्धुत्व (भाई) दिवस का शुभारंभ किया था। इसका उद्देश्य था--"भाईयों के प्रति अपने परिवार में किये गए योगदान को स्वीकार करने और सराहना करने के लिए शुरू किया गया "।

डीएम ने तटबंध का लिया जायजा

कार्यपालक अभियंता को आवश्यक दिशा-निर्देश अधिकारी

» कटाव निरोधी कार्य का किया निरीक्षण
» मानक के अनुरूप कार्य कराने का निर्देश

बीएनएम। बैरिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने शनिवार को बैरिया प्रखंड अंतर्गत चम्पारण तटबंध का निरीक्षण किया। इसके साथ ही कटाव निरोधक किये जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया और कार्यपालक अभियंता को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया।उन्होंने कार्य प्रगति धीमा देखकर संवेदक को कड़ी फटकार लगाते हुए हर हाल में 30 मई तक पूर्ण कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ के दृष्टिगत सुरक्षात्मक कार्य मानक के अनुरूप होना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण तरीके से कार्य को पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर को उक्त कार्य का लगातार अनुश्रवण एवं समीक्षा करने का निर्देश दिया। उन्होंने चेतानवी देते हुए निर्देश दिया कि यदि समय पर कार्य पूर्ण नहीं होगा तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी,इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, बेतिया डॉ0 शौर्य सुमन, उप विकास आयुक्त, सुमित कुमार, अपर समाहर्ता, राजस्व राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच, कुमार रविन्द्र, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर, विनोद कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, सुजीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता आदि उपस्थित थे।

सेविकाओं को किया गया ट्रेंड

बीएनएम। बैरिया

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल सेविका

बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में एथित सभागार में आंगनवाड़ी सेविकाओं को पोषण भी पढ़ाई भी अभियान के तहत दूसरे चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ शनिवार को किया गया।प्रशिक्षण में दूसरे बैच के चैनित पंचायत बगही बघम्बरपुर, उत्तरी पटजिरवा,दक्षिणी पटजिरवा, मलाही बलूआ,ताध्वनांदपुर, पखनाहा डुमरिया,सूर्यपूर,बैजूवा के सेविकाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण प्रखण्ड समन्वयक शिव शांत कुमर ने बताया की प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य 6 वर्ष तक के बच्चो का समग्र विकास करना है।विभिन्न खेल गतिविधियों के माध्यम से बच्चों का समुचित विकाश किया जाएगा।उन्होंने बताया कि सेविकाएं पहले से तैयारी करेगी। विकाश के लिए कौन सा खेल खेलाना जरूरी है।अभी तक शारीरिक विकास हेतु सेविकाएं विभिन्न तरह की खेल गतिविधियों को करती थी।अब उन्हें उन बच्चो को संज्ञात्मक,बौद्धिक विकास भासा का विकाश,सृजनात्मक विकाश समेत अन्य विकास से संबंधित गति विधियां सेविकाएं कराएगी। प्रखण्ड समन्वयक शिव शांत कूमर ने कहा की गतिविधियों के लिए अभिभावकों को भी प्रेरित किया जाएगा। बच्चों में 90 फीसदी विकाश 0 से 6 वर्ष के उम्र में ही होता है।इस आयु वर्ष में बच्चो का समुचित विकाश करने को लेकर सेविकाओं को गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में प्रोजेक्टर और वीडियो के माध्यम से खेल गतिविधियों और बच्चो में ग्रहण शीलता दिखाया गया।प्रशिक्षण में प्रधान सहायक मुकेश कुमार एलएस पिंकी कुमारी, सुमी श्रीवास्तव, वंदना एडवर्ड, आरती देवी,मंजू देवी,अनुपमा, समेत सैकड़ों सेविकाएं उपस्थित थीं।

छह दिवसीय 'समर कैंप' का समापन

बीएनएम। लखीसराय

समर कैंप समापन के मौके पर प्रतिभागी को पुरस्कार वितरण करते एवं नृत्य करती छात्राएं

डीएवी पब्लिक स्कूल में शनिवार को प्राचार्य डॉक्टर निरंजन कुमार की अध्यक्षता में चल रहे 'समर कैंप' का सफल कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ स्कूल के प्राचार्य डॉक्टर निरंजन कुमार तथा आए हुए सभी आगंतुक अभिभावक गणों के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया तत्पश्चात छह दिनों में बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रकला आर्ट एवं क्राफ्ट नृत्य एवं अन्य गतिविधियों का प्रदर्शन किया गया सबने साथ मिलकर डीएवी वैदिक मंत्र का गान किया। नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा स्वागत गीत गाकर कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया इसके बाद कक्षा तृतीय और चतुर्थ के बच्चों विद्या अदिता शानवी प्रियम आराध्या आशी के द्वारा 'बूंद बूंद मिलकर बने लहर' जीत पर बहुत ही मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया जिस पर प्राचार्य डॉक्टर निरंजन कुमार एवं अभिभावक गणों द्वारा बच्चों को सराहा गया शिक्षिका रचना पना कुमारी ने अभिभावकों को बताया नाया कि किस प्रकार बच्चों ने अच्छा देसी 'समर कैंप' में बच्चों का शारीरिक मानसिक और मनोवैज्ञानिक विकास हुआ बच्चों को कला नृत्य संगीत खेल आदि के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला तत्पश्चात कक्षा तृतीय की आर्या ने गीत 'आ जा नचले' पर बहुत ही सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया जिसके लिए प्राचार्य ने बच्चे आर्य को बुके देकर उसका मनोबल बढ़ाया। कक्षा नर्सरी एल केजी यूके जी की बच्चों द्वारा गीत गुड बाय गुड बाय सी यू अगेन पर सुंदर नृत्य की प्रस्तुति की गई कक्षा प्रथम और द्वितीय के बच्चों काव्या राजलक्ष्मी अंशुमन एवं अन्य प्रतियोगियों द्वारा गीत 'फैशन का है जलवा' पर रैंप वॉक किया जिस पर उपस्थित लोगों ने बच्चों को खूब सराहा। प्राचार्य डॉक्टर निरंजन कुमार द्वारा बताया गया की छह दिवसीय आयोजित समर कैंप में नृत्य संगीत खेल एवं अन्य गतिविधियों में किस प्रकार बच्चों का मानसिक और शारीरिक के साथ-साथ संज्ञानात्मक विकास भी हुआ।। समर कैंप के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में इस रचनात्मक कौशल का विकास करना रहा ।अंत में शांति पाठ के द्वारा कार्यक्रम की समापन की गई शिक्षिका आरती कुमारी भी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रही।

धनहा में शराबी पति ने गर्भवती पत्नी की ली जान

» पुलिस ने किया शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

बीएनएम। बगहा

जिला के धनहा थाना क्षेत्र स्थित मुर्गहवा गांव में गुरुवार की रात एक शराबी पति ने अपनी गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट की।जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इलाज के लिए ले जाते समय उसकी मौत हो गई। मृत महिला के परिजनों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई हैं। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिला अन्तर्गत मदनपुर भेड़िहारी गांव निवासी अशोक साह की पुत्री लक्ष्मीना देवी उम्र 25 वर्ष की शादी 2017 में धनहा थाना क्षेत्र के मुर्गहवा गांव में नथुनी साह के पुत्र बहारन साह से हुई थी । लक्ष्मीना देवी गर्भवती थी। गुरुवार की शाम बहारन साह शराब पीकर घर आया एवं किसी बात को लेकर लक्ष्मीना देवी के साथ जमकर मारपीट किया। जिससे लक्ष्मीना देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके बाद लक्ष्मीना देवी इसकी सूचना अपने मायके वालों को दी। सूचना मिलते ही मायके वालों ने मुर्गहवा गांव पहुंचकर पीड़ित लक्ष्मीना को ईलाज के लिए पडरौना लेकर जा रहे थे। उसी दौरान रास्ते में ही लक्ष्मीना देवी की मौत हो गई। मृत महिला के भाई शिवम् केसरी ने बताया कि, पति के मारपीट से पेट में पल रहे सात माह के बच्चे की पेट में ही मौत हो गई थी। जिससे पेट में दर्द हुआ। एव ईलाज के लिए ले जाते समय लक्ष्मीना देवी की मौत हो गई। परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंच शव को कब्जे में ले लिया। वही मृत महिला के पति घर छोड़कर फरार हो गया। प्रभारी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि, महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के भेज दिया गया है। परिजनों के आवेदन के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

बेसहारा बच्चों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

बैठक करते न्यायाधीश

बीएनएम। लखीसराय

जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सह जिला एवं सत्र न्यायाधीश अजय कुमार शर्मा के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार सचिव प्रकोष्ठ में सरकारी योजना से बेसहारा बच्चों को जोड़ने के लिए साथी योजना के तहत प्राधिकार के सचिव सह अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजू कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बेसहारा बच्चों को चिन्हित कर उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रयास करने पर जोर दिया गया। बैठक में कहा गया कि आधार कार्ड नहीं होने के कारण बेसहारा बच्चों सरकारी लाभ से वंचित रह जाते हैं ।आधार कार्ड बनाने को लेकर सभी जरूरी कदम उठाने का निर्णय लिया गया। नशा मुक्ति की दिशा में भी प्रयास करने पर बल दिया गया।बैठक में मुख्य रूप से जिला बाल कल्याण पदाधिकारी ,जिला समन्वयक शंकर कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी ,जिला स्वास्थ्य पदाधिकारी जिला गृह एवं बाल विकास पदाधिकारी , समन्वयक मीनाक्षी कुमारी, प्राधिकार के कई पैनल अधिवक्ता एवं प्राविधिक स्वयंसेवक शामिल हुए।

विधायक ने झखड़ा में खेल प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित

» बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की

बीएनएम। अरेराज

राजकीय माध्यमिक विद्यालय, झखड़ा में आयोजित तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस विशेष अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुनील मणि तिवारी ने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। विधायक सुनील मणि तिवारी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है, जिसे पहचानने और निखारने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि शिक्षा के साथ-साथ खेल भी जीवन का अभिन्न हिस्सा है और इसमें भी छात्र शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने गुरुजनों से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों की रुचियों और क्षमताओं को समझें और उन्हें सही दिशा देने में सहयोग करें। एक सराहनीय पहल करते हुए विधायक ने बच्चों को अपना व्यक्तिगत मोबाइल नंबर भी दिया और आश्वस्त किया कि पठन-पाठन या किसी भी अन्य आवश्यकता में वे उनसे निःसंकोच संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी अभाव के कारण किसी छात्र की शिक्षा बाधित नहीं होनी चाहिए। कार्यक्रम का मंच संचालन संकुल खेल प्रभारी श्री संतोष कुमार तिवारी ने किया। इस प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 50 छात्राओं को प्रखंड स्तर के लिए चयनित किया गया है, जो आगे जिला और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी। विशेष रूप से भेलानारी की छात्राओं ने कबड्डी और लॉन्ग जंप में अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान खींचा। इस आयोजन में कबड्डी कोच बसंत मणि तिवारी, संजय कुमार मंडल, रमाशंकर पंडित, संकुल प्रबंधक बीना देवी, बच्ची देवी, शारदा देवी, पूजा देवी, संजीत कुमार, अभिषेक कुमार मिश्रा और मुन्ना कुमार जायसवाल की अहम भूमिका रही। विद्यालय के प्रधानाध्यापक मदन मोहन नाथ तिवारी ने भी आश्वासन दिया कि विद्यालय स्तर पर विजेता छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने वाला रहा, बल्कि उनके भीतर खेल भावना और आत्मविश्वास भी विकसित करने वाला साबित हुआ।

देश विरोधी नेटवर्क से जुड़ना अक्षम्य अपराध

हरियाणा की एक यूटयूबर को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। ज्योति मल्होत्रा नाम की इस आरोपी को हिसार स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सरकारी गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता की संगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, और अदालत ने पूछताछ के लिए उसे पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। यह गिरफ्तारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी इंटर-स्टेट इंटेलिजेंस (आईएसआई) से जुड़े जासूसी नेटवर्क के खिलाफ देश की सुरक्षा एजेंसियों द्वारा कार्रवाई तेज करने के फलस्वरूप हुई है। इससे पहले एक महिला समेत दो लोगों को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में पंजाब के मलेरकोटला से गिरफ्तार किया गया था। वे भी पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात कुछ अधिकारियों के संपर्क में थे। हरियाणा के कैथल जिले के गुहला में भी एक युवक को जासूसी के आरोप में दबोचा गया है। ये तमाम गिरफ्तारियां इस लिहाज से चौंकाने वाली है कि आरोपी स्लीपर के रूप में मौजूद थे, और समाज में इस कदर सक्रिय थे कि उन पर पहली नजर में शक होना तक संभव नहीं था। ये पाकिस्तान उच्चायोग के कुछ अधिकारियों के जाल में फंसे तो लालच के चलते फंसे। चाहते थे कि इस प्रकार मिलने वाले धन से ऐश की जिंदगी जी जाए। धन कमाने की लालसा होना कोई अपराध नहीं है, लेकिन इस लालसा के वशीभूत होकर देश विरोधी नेटवर्क से जुड़ जाना अक्षम्य अपराध है। आरोपी ज्योति के यूट्यूब चैनल के 3.77 लाख सब्सक्राइबर हैं। लेकिन शोनाशौकत की जिंदगी जीने की इच्छा ने उसे कानून के शिंकजे में धकेल दिया। वह पाकिस्तान के अलावा कई दूसरे देशों में भी घूम-फिर चुकी है। उसके मोबाइल फोन में कोड में पाकिस्तान उच्चायोग के अधिकारियों के नंबर मिले हैं, जिनसे वह निरंतर संपर्क में रहती थी और देश की महत्त्वपूर्ण जानकारी और सूचनाएं उन तक पहुंचा रही थी। हैरान करने वाली बात यह है कि वह देशभक्ति का लबादा ओढ़ कर अपनी करतूतों तो अंजाम दे रही थी। इन लोगों की गिरफ्तारियां भारतीय एजेंसियों की यकीनन बड़ी सफलता है, परंतु जरूरी है कि इनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जाए। उन लोगों तक भी पहुंचा जाए जिनके ये लोग संपर्क में थे। यह काफी बड़ा जाल हो सकता है।

क्यों जनता भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोये?

ललित गर्ग

विभिन्न राजनीतिक दलों, विभिन्न प्रांतों की सरकारों, विभिन्न गरीब कल्याण की योजनाओं, न्यायिक क्षेत्र एवं उच्च जांच एजेंसियों में भ्रष्टाचार की बढ़ती स्थितियां गंभीर चिन्ता का विषय है। ऐसा लगता है आज हम जीवन नहीं, राजनीतिक, न्यायिक एवं प्रशासनिक मजबूरियां जी रहे हैं। ऐसा भी लगता है न्याय, राजनीति एवं प्रशासन की सार्थकता एवं साफ-सुथरा उद्देश्य नहीं रहा, स्वार्थपूर्ति का जरिया बन गया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा एक असामान्य घटनाक्रम के तहत भ्रष्टाचार के एक मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के तीन अधिकारियों को उसी सीबीआई की हिरासत में भेज देना न केवल चिन्ताजनक एवं शर्मनाक है बल्कि विडम्बनापूर्ण है। भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का बुगल बजाय हुए है, जिससे राजनीति में बढ़ रहे भ्रष्टाचार पर नियंत्रण का नया सूरज उदित होता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन सीबीआई जैसी जांच एजेन्सी में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश होना इस सूरज को उदित होने से पहले ही अंधेरा की ओट में ले रहा है। इससे भी बड़ी त्रासद एवं निराशाजनक है गुजरात में 71 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले में मंत्री बच्चू भाई खाबड़ के दो बेटों का गिरफ्तार होना। राजनीति एवं कार्यपालिका के साथ न्याय पालिका के क्षेत्र में जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में कथित तौर पर नकदी मिलना भ्रष्टाचार के सर्वत्र व्याप्त होने को दर्शा रहा है। जनता कब तक भ्रष्टाचार का अनचाहा भार ढ़ोती रहेगी। कैसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भ्रष्टाचारमुक्त आदर्श राष्ट्र-निर्माण के अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे? कैसे आजादी के अमृत काल में ईमानदार राष्ट्र बना पायेंगे? न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने 25 अप्रैल को सीबीआई के तीन अधिकारियों के भ्रष्टता पर अपने आदेश में कहा कि यह सीबीआई, ईडी और ऐसे अन्य विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार का अनूठा मामला है, जिसने हमारी कार्यपालिका और जांच तंत्र की पूरी संरचना को हिलाकर रख दिया है। इन एजेंसियों का प्राथमिक कर्तव्य अपराध की जांच करना और भ्रष्टाचार के दोषियों को सजा दिलाना है। लेकिन इन उच्च जांच एजेन्सियों के आला अधिकारी ही भ्रष्ट हो तो दूसरों के भ्रष्टाचार मामलों में निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण जांच की उम्मीद कैसे संभव है? सीबीआई-भ्रष्टाचार एकमात्र मामला नहीं है, बल्कि यह विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच एक 'बड़ी साजिश' को दर्शाता है, जो अनुचित लाभ या प्रभाव डालने समेत इन विभागों के कामकाज में हस्तक्षेप करने के लिए रिश्वत के मामले को दर्शाता है। अब सर्वोच्च न्यायालय के जज भी ऐसे मामलों में लिप्त हो तो समस्या की गंभीरता को सहज ही समझा जा सकता है। निश्चित ही भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में जस्टिस वर्मा केस एक दुर्लभ एवं संवेदनशील मौका है। अब इसकी वजह से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस न पहुंचे और जनता का भरोसा बना रहे, इसके लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामले से जुड़ी जानकारियों को देश से साझा किया। साथ ही, उनकी पहल पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा भी सार्वजनिक किया। जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर किया गया और जांच कमिटी बनाकर उसकी रिपोर्ट सरकार व राष्ट्रपति के पास भेजकर महाभियोग की सिफारिश कर दी गई है। यहां से अब गेंद सरकार और संसद के पाले में है। महाभियोग ही एकमात्र तरीका है, जिससे सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के मौजूदा जजों को हटाया जा सकता है। लेकिन, आजाद भारत के इतिहास में आज तक ऐसा नहीं हुआ। इसके पहले, भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश सौमित्र सेन के खिलाफ महाभियोग चला था, लेकिन लोकसभा में वोटिंग से पहले ही उन्होंने इस्तीफा दे दिया यानी वहां भी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई थी। अब अगर जस्टिस वर्मा का यह मामला महाभियोग तक पहुंचता है, तो वहां भी एक लंबी प्रक्रिया चलेगी। लेकिन विचार करने वाली बात यह है कि क्या न्यायपालिका की स्वतंत्रता को अक्षुण्ण रखते हुए प्रक्रिया की जटिलता को कम किया जा सकता है? ताकि जजों के भ्रष्टाचार की उचित सजा उनको मिल सके, ऐसी प्रक्रिया से ही न्यायपालिका बिना किसी डर, दबाव या लालच के अपना कर्तव्य भी निभा सके। भ्रष्टाचार की परतें अपराधियों एवं भ्रष्ट लोगों को बचाने तक ही सीमित नहीं है, अब तो यह गरीबों का निवाला भी छीन रही है। सरकार गरीबों के लिये अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं, लेकिन बड़ा स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं, भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरुआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और वे अपना भरण-पोषण कर सकेंगे मगर शुरुआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसी का त्रासद उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था। इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है। गुजरात ही नहीं, देश के अन्य हिस्सों में भी मनरेगा में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के किस्से उजागर हो रहे हैं। मुजफ्फरपुर में भी मनरेगा भ्रष्टाचार का शिकार हो गया है। जिले के कई ब्लॉक में मनरेगा में भ्रष्टाचार हो रहा है। फर्जी हाजिरी और फोटो घोटाले से हर दिन लाखों रुपये की लूट हो रही है। एक ही फोटो को बार-बार इस्तेमाल करके लाखों रुपये निकाले जा रहे हैं। गुजरात में मंत्री के बेटों के द्वारा मनरेगा लूट एवं भ्रष्टाचार अधिक परेशान करने वाला एवं चिन्ता में डालने वाला है। नेता, मंत्री एवं प्रशासनिक अधिकारी अच्छे-बुरे, उपयोगी-अनुपयोगी का फर्क नहीं कर पा रहे हैं। मार्गदर्शक यानि नेता शब्द कितना पवित्र व अर्थपूर्ण था पर अब नेता खलनायक बन गया है। नेतृत्व व्यवसायी एवं भ्रष्टाचारी बन गया। आज नेता शब्द एक गाली है। जबकि नेता तो पिता का पर्याय था। उसे पिता का किरदार निभाना चाहिए था। पिता केवल वही नहीं होता जो जन्म का हेतु बनता है अपितु वह भी होता है, जो अनुशासन सिखाता है, ईमानदारी का पाठ पढ़ाता है, विकास की राह दिखाता है। आगे बढ़ने का मार्गदर्शक बनता है। अब तक आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल आदि राजनीतिक दलों में ही भ्रष्टाचार के किस्से सामने आ रहे थे, अब भाजपा नेताओं एवं मंत्रियों पर भी ऐसे आरोप लगना ज्यादा चिन्ताजनक है। प्रश्न भाजपा का ही नहीं है, भ्रष्टाचार जहां भी हो, उसके खिलाफ बिना किसी पक्षपात के कार्रवाई की जानी चाहिए। भाजपा एक राष्ट्रवादी पार्टी है, नया भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने के लिये तत्पर है तो उसकी पार्टी के भीतर भी यदि भ्रष्टाचार है तो उसकी सफाई ज्यादा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी दल के नेताओं के भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई का बुगल बजाय हुए हैं तो यह नये भारत, सशक्त भारत, ईमानदार भारत बनाने की सार्थक पहल है। राजनीतिज्ञों, जजों, प्रशासनिक अधिकारियों की साख गिरेगी, तो राष्ट्र की साख बचाना भी आसान नहीं होगा। चहुंओर पसरे बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार से विकास के दावों का विद्रूप रूप ही सामने आता है। हमारे पास कार्यपालिका, न्यायपालिका एवं राजनीति ही समाज की बेहतरी का भरोसेमंद रास्ता है और इसकी साख गिराने वाले कारणों में अपराधीकरण और भ्रष्टाचार के बाद तीसरा नंबर कीचड़ उछाल राजनीति का भी है, जिसमें गलत को गलत नहीं माना जाता। ये तीनों ही ऐसे औजार है, जो देश को तबाही की ओर ले जाते हैं। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार का मसला काफी गहरा है और इससे खिलाफ आरपार की लड़ाई के लिए काफी कठोरता, निष्पक्षता, वक्त और ऊर्जा की जरूरत है, सख्त कदम उठाने की अपेक्षा है। ऐसी ही उम्मीदभरी एवं भ्रष्टाचार-निरोधक कार्रवाई से भारत का लोकतंत्र समृद्ध हो सकेगा।

सूडोकु नवताल- 7440

★★★★☆ कठिन

					1	4		
	9					5	8	
			7	9				
			2				6	7
4								3
5	8				9			
				8	5			
	7	6					1	
		9	3					

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7439 का हल

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9

मध्य प्रदेश में पर्यटन के चटख रंग

लोकेन्द्र सिंह

भारत का हृदय मध्य प्रदेश अपनी नैसर्गिक सुन्दरता, आध्यात्मिक ऊर्जा और समृद्ध विरासत के चलते सदियों से यात्रियों को आकर्षित करता रहा है। आत्मा को सुख देनेवाली प्रकृति, गौरव की अनुभूति करानेवाली धरोहर, रोमांच बढ़ानेवाला वन्य जीवन और विश्वास जगानेवाला अध्यात्म, इन सबका मेल मध्य प्रदेश को भारत के अन्य राज्यों से अलग पहचान देता है। इस प्रदेश में प्रत्येक श्रेणी के पर्यटकों के लिए कई चुम्बकीय स्थल हैं, जो उन्हें बरबस ही अपनी ओर खींच लेते हैं। यह प्रदेश उस बड़े हृदय के मेजबान की तरह है, जो किसी भी अतिथि को निराश नहीं करता है। वैभव की इस भूमि पर पराक्रम की गाथाएं सुनाते और आसमान का मुख चूमते दुर्ग हैं। भारत का जिब्राल्टर ग्वालियर का किला, महेश्वर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का राजमहल, मांडू का जहाज महल, दतिया में सतखंडा महल, रायसेन का दुर्ग, दुर्गावती का मदन महल, जलमग्न रहनेवाला रानी कमलापति का महल और गिन्नौरगढ़ सहित अनेक किले हैं, जो मध्य प्रदेश के स्थापत्य की विविधता का बखान करते हैं। देवों के चरण भी इस धरा पर पड़े हैं। उज्जैन, जहां योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण पढ़े। चित्रकूट, जहां प्रभु श्रीराम माता सीता और भ्राता लखन सहित वनवास में रहे। ओंकारेश्वर, जहां आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने आचार्य गोविन्द भगवत्पाद से दीक्षा ली। मध्य प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग- महाकाल और ओंकारेश्वर हैं। इसके साथ ही भगवान शिव ने कैलाश और काशी के बाद अमरकंटक को परिवार सहित रहने के लिए चुना है। एक ओर जहां द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण प्रतिवर्ष मुरैना में आकर ढाई दिन रहते हैं तो वहीं ओरछा में राजा राम का शासन है। महारानी कुंवर गणेश के पीछे-पीछे श्रीराम अयोध्या से ओरछा तक चले आये थे। ओरछा राजाराम के मंदिर के लिए ही नहीं, अपितु अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है। मध्य प्रदेश अपने वनों के लिए भी प्रसिद्ध है। सतपुड़ा के घने जंगल का तो अद्भुत वर्णन कवि भवानी प्रसाद मिश्र की कविता में आता ही है। चंबल नदी के भरकों से लेकर कटनी, उमरिया और जबलपुर से लगा शाहडार का जंगल भी रोमांचक यात्राओं का ठिकाना है। मेकल पर्वत पर सदानीरा मां नर्मदा का उद्गम स्थल ही नहीं, अपितु वहां का सघन वन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। मध्य प्रदेश भारत का इकलौता राज्य है जहां सर्वाधिक 12 राष्ट्रीय उद्यान हैं। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, शिवपुरी, पन्ना और कई अन्य राष्ट्रीय उद्यान लोगों को वन्य जीवन को देखने का दुर्लभ, रोमांचपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। मध्य प्रदेश सफेद बाघ मोहन का ही घर नहीं है, अपितु यह रहस्य और कौतुहल बढ़ानेवाले बालक मोगली का भी जन्मस्थान है। सर विलियम हेनरी स्लीमन ने 'एन एकाउंट ऑफ वाल्वस नरचरिंग चिल्ड्रन इन देयर डेन्स' शीर्षक से लिखे अपने एक दस्तावेज में उल्लेख किया है कि मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के जंगल (पेंच टाइगर रिजर्व) में मोगली का घर था। वाइल्ड लाइफ पर्यटन मध्य प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाता है। वन्य जीवों के संरक्षण के कारण मध्यप्रदेश के पास 'टाइगर स्टेट' के साथ ही 'द लेपर्ड स्टेट' और 'घड़ियाल स्टेट' का दर्जा भी है। बाघ देखने के लिए न केवल देशभर से बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से भी लोग मध्यप्रदेश में आते हैं। भिंड और मुरैना के समीप स्थित चम्बल सफारी तो घडियाल संरक्षण का बड़ा केंद्र बन गई है। कभी डाकुओं के लिए कुख्यात रहे चंबल के बीहड़ अब डॉल्फिन के लिए प्रसिद्ध हैं। भारत में गंगा के बाद सबसे अधिक डॉल्फिन चंबल सफारी में पाए जाते हैं। जनजातीय संस्कृति से साक्षात्कार करने का अवसर भी मध्य प्रदेश देता है। मंडला, उमरिया, छिंदवाडा, बालाघाट, झाबुआ और अनूपपुर में कई स्थान हैं, जो पर्यटन के तौर पर विकसित किये गए हैं। कुछ समय के लिए दुनिया की भागम-भाग से दूर प्रकृति की गोद में सुख की अनुभूति करने के लिए तामिया और पातालकोट जैसे स्थान भी हैं, जो आम पर्यटकों से छुपे हुए हैं। वहीं, मढ़ई, तवा, परसिली, हनुमंतिया जैसे अनेक स्थल भी हैं, जिन्हें पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है। पर्यटकों द्वारा खोजे जा रहे नये पर्यटन स्थलों को भी व्यवस्थित करने में मध्य प्रदेश की सरकार अग्रणी है। इंदौर के समीप महू से पातालपानी-कालाकुंड तक चलनेवाली हेरिटेज ट्रेन भी सीटी बजाकर उन पर्यटकों को बुलाती है, जो प्रकृति के नजारों में खोना चाहते हैं। सब प्रकार के पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध मध्य प्रदेश के ऐसे अनेक स्थान हैं, जो अभी भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्तमान में यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में मध्य प्रदेश के चार स्थल हैं- बुद्ध का सन्देश देते सांची के स्तूप, प्रागैतिहासिक सभ्यता के चिह्न भीमबेटिका, सौंदर्य के साक्षी खजुराहो के साथ त्यागमय संस्कृति का प्रतीक ओरछा। ये चारों ही स्थान विदेशी पर्यटकों को लुभाते हैं।

मेष राशि- आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज व्यापारियों के लिए दिन शुभ हैं। धन लाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। साझेदारी करना आज आपके लिए फायदेमंद रहेगा। जमीन से जुड़ा बड़ा मामला सुलझ जाएगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिए दिन अच्छा है। लाभ होने की संभावना बन रही है। करियर में आज कुछ बदलाव होने वाला है, तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे।

वृष राशि- आज का दिन नया बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा अचानक धन लाभ होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। स्वास्थ्य आज फिट रहेगा। व्यायाम करने से सेहत अच्छी बनी रहेगी। इस राशि की महिलाओं को आज जीवनसाथी से सरप्राइज मिल सकता है, जिससे पूरे दिन आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। आपके जूनियर आपसे काम सीखने आएंगे।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रुका हुआ काम अपनों की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा से संबंधी शुभ समाचार मिलने वाला है, जिसे सुनकर आपके चेहरे खिल उठेंगे। आज जीवनसाथी की राय आपके लिए कारगर साबित होगी।

कर्क राशि- आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा। जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज़्बात क़ाबू में रखें फायदा होगा। आज आपको तरक्की के नए रास्ते मिलेंगे।

सिंह राशि- आज का दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग गुप्त रखेंगे, तो सफलता जरूर हासिल होंगी। आज आपके सोचे हुए काम पूरे हो जायेंगे। किसी काम में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल कर लें। इससे आप नुकसान से बचे रहेंगे। फालतू की शॉपिंग से बचे और अपनी आर्थिक स्थिति कों मजबूत करें।

कन्या राशि- आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बाते सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेगी। आज आपका स्वास्थ्य बेहतरीन रहने वाला है। किसी नए काम की शुरूआत करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। धनलाभ के नए आसार बनेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन अच्छा है।

तुला राशि- आज का दिन अनुकूल रहने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएगा, कंफ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको बड़ा फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जाएगा। आज कुछ निजी काम में बहन का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है। नवविवाहित आज घूमने के लिए जायेंगे।

वृश्चिक राशि- आज का दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे तो आपको फायदा जरूर होने वाला है। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नए विचार आयेंगे। मुश्किल परिस्थिति में आज किसी मित्र का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे दोस्ती में और भी मजबूती आयेगी।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। अगर आज कहीं यात्रा पर जा रहे है तो फायदा होने वाला है। यात्रा पर जाने से पहले सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखना न भूलें। आज थोड़ा आलस महसूस हो सकता है। आज आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। आपका आकर्षक और चुंबकीय व्यक्तित्व लोगों का ध्यान अपनी तरफ़ खींचेगा। आज दूर का रिश्तेदार आपसे मिलने घर आ सकता है, जिससे पूरे घर में खुशी का माहौल बनेगा।

मकर राशि- आज का दिन नई सौगात लेकर आयेगा। कारोबार में वृद्धि के लिए आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस-पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे। पुरानी टेंशन आज खत्म होगी। इस राशि के जो लोग पयर्टन से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है। आज आप काम के प्रति सचेत रहें विरोधी आपके व्यापार को नुकसान पहुंचाने की नाकामयाब कोशिश कर सकता है।

कुंभ राशि- आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के नवविवाहित दंपति को आज किसी सामाजिक समारोह जाना पड़ सकता है। जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जाएगा।

मीन राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी-मजाक होगा साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी करेंगे।

भारतीय दर्शन में दुख का मूल कारण 'अविद्या'

हृदयनारायण दीक्षित

बुद्ध का दुख विश्लेषण विश्वदर्शन में श्रेष्ठतम है। अभिभूत करने वाला है। इसकी अंतिम कड़ी है 'अविद्या'। अविद्या का मतलब मूर्खता नहीं है। सृष्टि-जगत को सार रूप में न जानना ही 'अविद्या' है। भारतीय दर्शन की सभी शीर्ष धाराओं में दुख का मूल कारण 'अविद्या' है। यह बुद्ध दर्शन में भी है। उपनिषद् साहित्य विद्या और अविद्या के विवेचन से से भरा पूरा है। ईशावास्योपनिषद् के नवें, दसवें व ग्यारहवें मंत्रों श्लोकों का विषय 'विद्या और अविद्या' है। कहते हैं, ''अविद्या के उपासक अंधतम लोक में प्रवेश करते हैं। इसी तरह विद्या के उपासक भी अंधेरे में हैं। धीर पुरुषो से सुना है कि विद्या और अविद्या के फल अलग-अलग हैं। जो दोनो को एक साथ जानते है वे अविद्या से संसार-मृत्यु को पार करते हैं और विद्या से अमृत पाते हैं।'' मधुमय जीवन के लिए दोनो का बोध जरूरी है। विद्या मुक्त करती है, अविद्या यानी संसार का ज्ञान संसार को मधुमय प्रीतिमय बनाता है। ऋग्वेद में दोनो हैं। ऋग्वेद के समाज में परम सत्ता की खोज और खेती किसानी साथ-साथ चलती है। परमतत्व की लब्धि चाहिए, लेकिन संसार मायाजाल नहीं है। न अकेली विद्या ठीक, न अकेली अविद्या। शुक्ल पक्ष का आलोक दीपित करता है तो कृष्णपक्ष का अंधकार विश्रामदायी है। मुण्डकोपनिषद में अविद्या को अपरा विद्या और विद्या को परा विद्या कहा गया। श्वेताश्वतरोपनिषद् (5.1) में विद्या और अविद्या की खूबसूरत परिभाषा है -''क्षरं त्वविद्या ह्यमृतं तु विद्या, विद्याविद्ये ईशते यस्तु सोऽन्यः-जो क्षरणशील-नाशवान है वह अविद्या है, लेकिन सदा सनातन अमृत विद्या है।'' शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन में अविद्या ही मिथ्या है। संसार का ज्ञान, घर परिवार भी जरूरी है। ब्रह्म ज्ञान की आकांक्षा इसी संसार की देन है। इसकी प्राप्ति के उपाय इसी जगत में, इसी शरीर और इन्द्रियों की सहायता से होते हैं। ईशोपनिषद के ऋषि ने अलग-अलग आग्रहों को गलत और दोनो के समन्वय को उपयोगी बताया है। अविद्या से सांसारिक कष्ट और मृत्यु कष्ट पार होते हैं। मृत्यु जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। जीवन के तल पर ही मृत्यु आती है। जीवन न हो तो मृत्यु क्या कर लेगी? लेकिन मृत्यु अचानक नहीं आती। जीवन के प्रत्येक क्षण में मृत्यु है। सर्जन और विसर्जन साथ-साथ चलते हैं। अविद्या से इसी सब का ज्ञान मिलता है। अविद्या सांसारिक बोध, यज्ञ, उपासना, ज्ञान विज्ञान की जानकारियों व जीवन की गतिविधि में सहायक है। विद्या आत्मानुभूति है। कठोपनिषद (1.2.5) में कथा है। कथा के अनुसार यमराज ने जिज्ञासु नचिकेता से कहा, ''अविद्या में संलग्न स्वयं को धीर और पंडित बताते है। वे मूढ़पुरूष अंधे द्वारा ही ले जाए गए अंधमार्ग को प्राप्त होते हैं।'' यहां यमराज धन प्रेमी, संसारवादी लोगों की भी खबर लेते हैं, ''धनमोह, पुत्रमोह, पशु सम्पदा मोह में अंधे हो गए लोग इसी लोक को सच मानते हैं। ऐसे लोग बार-बार मेरे वश (यमराज के पाश में) में ही आते हैं।'' (वही:6) यहां यमराज भी तात्कालिक दार्शनिक बहस के एक पक्षकार है, वे यज्ञ, संसार मोह, सम्पदा मोह, आदि को अंधकार में ले जाने वाला बताते हैं। फिर कहते हैं, ''यह परम तत्व बहुतों को सुनने को भी नहीं मिलता। सुनकर भी बहुत सारे लोग समझ नहीं पाते। जानकार तत्वज्ञानी बहुत कम है, ज्ञानियों में भी आत्मतत्व को प्राप्त सिद्ध बिरले ही हैं।'' (वही:7) दर्शनशास्त्री तर्क को ज्ञान का उपकरण बताते थे। यमराज कहते हैं ''यह तत्व तर्क से नहीं मिलता ऐसा ज्ञान गैरनास्तिक (वेद जानने मानने वाला) अनुभवी विद्वान के पास ही होता है।'' अविद्या सांसारिक ज्ञान है। अर्थशास्त्र, इतिहास, विज्ञान, खगोल और वैदिक साहित्य भी 'अविद्या' है। दुख का कारण अविद्या है। अविद्या मूल सत्य तत्व पर आवरण है। इच्छाएं अभिलाषाएं और इनसे बनी बुद्धि अविद्या को सच्चा ज्ञान समझती है। अविद्या जनित बुद्धि से विद्याजनित उत्तर समझे नहीं जा सकते। बुद्ध इसीलिए सारभूत प्रश्नों पर मौन रहते थे। अविद्या को माया भी कह सकते हैं। माया सुंदर शब्द है। संस्कृत में 'मा' का अर्थ नहीं है। 'या' का अर्थ है 'जो'। माया अर्थात 'जो' नहीं है। जीवन में सब तरफ 'दो' ही दिखाई देते हैं। मैं हूं और संसार है। शुभ और अशुभ हैं। दिन और रात हैं। अच्छा और बुरा है। जीवन और मृत्यु है। व्यक्त और अव्यक्त है। ज्ञात और अज्ञात है। ईश्वर और संसार हैं। जीवात्मा और परमात्मा है। दर्शन की भाषा में इसे द्वैत कहते हैं। वैदिक काल और परवर्ती समय में अनेक मत थे। लेकिन मोटे तौर पर दो विचार थे। एक कि परमतत्व का बोध ही प्रकाशदायी है, बाकी सब गलत हैं। दो-कि भौतिक ज्ञान सांसारिक उपलब्धियां, यज्ञ कर्मकाण्ड ही ठीक है। उत्तरवैदिक काल में इसे ''विद्या और अविद्या'' कहा गया। विद्या का अर्थ 'ज्ञान' और अविद्या का अर्थ अज्ञान लिया जाता है लेकिन वैदिक साहित्य में अविद्या का अर्थ अज्ञान नहीं है। वैदिक काल में विद्या सुपरिभाषित थी। इसका अर्थ सत्य की अनुभूति अथवा परमतत्व का ज्ञान था। इसलिए अविद्या का अर्थ ''जो विद्या नहीं है'' से लिया जाना चाहिए। परम सत्य की खोज से जुड़ा ज्ञान विद्या था, शेष सारा व्यावहारिक ज्ञान अविद्या था। विद्या मुक्ति का संधान थी-स विद्या या विमुक्तये। संसार कारण कार्य की श्रंखला है। कारण के अभाव से आगे कार्य नहीं होता। बुद्ध परम स्थिति को प्राप्त कर चुके थे। इसी स्थिति को निर्वाण (पाली भाषा में निब्बान) कहा गया। निर्वाण के बाद कोई ऐषणा नहीं बचती। प्राचीन दर्शन ने इसे मोक्ष कहा। मोक्ष एक लब्धि है। यहां दार्शनिक सवाल उठे कि निर्वाण प्राप्त/मोक्ष प्राप्त व्यक्ति आगे कर्म करता हुआ क्या पुनः 'संस्कार' (दुख) में नहीं फंसेगा? और क्या इसी संस्कार के कारण उसका पुनर्जन्म नहीं होगा? बुद्ध ने दो प्रकार के कर्म बताये-एक आसक्त कर्म जो राग द्वेष आसक्ति से प्रेरित हैं और दूसरे अनासक्त कर्म-जिनमें फल प्राप्ति की कोई इच्छा नहीं होती। गीता का केन्द्रीय विचार भी अनासक्त कर्म है। बुद्ध ने खेती किसानी का खूबसूरत उदाहरण दिया, एक बीज सामान्य है, वह भूमि पर गिरेगा, तो दोबारा उगेगा (पुनर्जन्म होगा) दूसरा भुना हुआ बीज है, वह भूमि पर गिरकर भी नहीं उगता। निर्वाण प्राप्त व्यक्ति भुने बीज जैसा हैं। क्या अनासक्ति मुक्त करती है या मुक्त व्यक्ति अनासक्त होते हैं? शंकराचार्य के दर्शन में अज्ञान के आवरण के हटते ही व्यक्ति सत्य को उपलब्ध हो जाता है। गीता में सृष्टि संचालन की प्राकृतिक कार्रवाई में सहयोग करने को यज्ञ बताया गया। (8.14) गीता में श्रीकृष्ण ने कहा ''मुक्त पुरुष को भी लोकसंग्रह के निमित्त अपना कर्म करते रहना चाहिए सामान्य जन श्रेष्ठजनों का अनुकरण करते है। (3.21) कृष्ण ने यह भी कहा कि मुझे कोई आकांक्षा नहीं है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टेस्ट टीम में वापसी

नई दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर ने करीब आठ साल बाद एक बार फिर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की है। उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए घोषित 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टेस्ट टीम की घोषणा की। रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया है, वहीं ऋषभ पंत को उप कप्तान बनाया गया है। दौरे के लिए 18 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। इसमें करुण नायर भी शामिल हैं। उनकी टेस्ट टीम में वापसी करीब आठ वर्ष बाद हुई है। करुण नायर ने भारतीय टीम के लिए आखिरी टेस्ट 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला में खेला था। अब तक उन्होंने कुल 6 टेस्ट मैचों में 374 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 62.3 का रहा है। सबसे खास बात यह है कि नायर पूर्व दिग्गज वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।

घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन से हासिल की वापसी- 2023–24 घरेलू सीजन में करुण नायर ने कर्नाटक छोड़कर विदर्भ की टीम से खेलना शुरू किया। पहले ही सीजन में उन्होंने 10 मैचों में 690 रन बनाए, जबकि 2024–25 रणजी ट्रॉफी सीजन में नायर ने 9 मैचों में 863 रन बनाकर टीम को तीसरा रणजी खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। उनका औसत 54 का रहा।

आईपीएल में भी हुई वापसी, वायरल हुई थी उनकी पोस्ट- घरेलू प्रदर्शन के चलते नायर की तीन साल बाद आईपीएल में भी वापसी हुई। इसी बीच उनकी एक सोशल मीडिया पोस्ट – "Cricket, please give me another chance" – वायरल हुई, जिसने उनकी वापसी की जिद और जुनून को दर्शाया। भारतीय टीम में चुने जाने से पहले नायर को इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ इंडिया ए टीम में भी जगह दी गई थी।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर और उप-कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश कुमार रेड्डी, रविंद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज का पूरा शेड्यूलः-

पहला टेस्टः 20-24 जून - हेडिंग्ले, लीड्स

दूसरा टेस्टः 2-6 जुलाई - एजबेस्टन, बर्मिंघम

तीसरा टेस्टः 10-14 जुलाई - लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन

चौथा टेस्टः 23-27 जुलाई - ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर

पांचवां टेस्टः 31 जुलाई-4 अगस्त - केनिंग्टन ओवल, लंदन

बीसीसीआई ने इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित की टीम , शुभमन बने भारतीय टीम के नये टेस्ट कप्तान, ऋषभ उपकप्तान

मुंबई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अगले माह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को नया कप्तान बनाया है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत टीम के नये उपकप्तान होंगे। चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा करते हुए युवाओं पर भरोसा जताया है। इससे पहले माना जा रहा था कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी की जिम्मेदारी दी जाएगी। बुमराह के अलावा केएल राहुल भी कप्तानी के दावेदार थे। रोहित शर्मा के टेस्ट प्रारुप से संन्यास लेने के बाद से ही माना जा रहा था कि भविष्य को देखते हुए बीसीसीआई शुभमन को कप्तान बनायगा और ये बात सही साबित हुई। भारतीय टीम को इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है, इसका पहला मैच 20 जून से लीड्स क्रिकेट स्टेडियम में होगा। अगरकर ने कप्तान के

नाम की घोषणा करते हुए कहा कि शुभमन टीम के कप्तान रहेंगे और ऋषभ पंत टीम के उपकप्तान। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि बुमराह सभी मैच के लिए उपलब्ध रह पायेंगे। राहुल के बारे में अगरकर ने कहा कि राहुल ने पहले कप्तानी की, लेकिन तब मैं वहां नहीं था। हम उम्मीद करते हैं कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। बुमराह के लिए फिट गेंदबाज के रूप में रहना अधिक महत्वपूर्ण है उनपर कप्तानी का अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जा सकता। अगरकर ने जोर देकर कहा कि कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं, बल्कि लंबे समय के लिए चुना जाता है। उन्होंने कहा कि आप कप्तान को एक-दो सीरीज के लिए नहीं चुनते, बल्कि दीर्घकालिक योजना बनाते हैं। हमें उम्मीद है कि शुभमन समय के साथ सीखेंगे। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास को लेकर उन्होंने कहा कि विराट ने अप्रैल में ही अपनी संन्यास की योजना को लेकर जानकारी दे दी थी। वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज मो शमी को टीम में शामिल नहीं किये जाने को लेकर अगरकर ने कहा कि शमी अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं। इसलिए उन्हें शामिल नहीं किया गया है।

आईपीएल 2025 : सबसे ज्यादा छक्के लगें राशिद खान की गेंदों पर

नई दिल्ली। इस समय आईपीएल 2025 अपने पूरे शबाब पर हैं, प्लेऑफ की चारों टीमें लगभग तय हो चुकी हैं। यह सीजन बल्लेबाजों के लिए काफी धमाकेदार रहा है। चौकों-छक्कों की बारिश ने गेंदबाजों की खूब परीक्षा ली, और कई नामी गेंदबाज रन लुटाने में सबसे आगे नजर आए। इस सीजन कुछ गेंदबाज ऐसे रहे, जिन्हें बल्लेबाजों ने निशाना बनाकर सबसे ज्यादा छक्के जड़े। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि टॉप पर अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान का नाम है। राशिद खान ने इस सीजन सबसे ज्यादा 28 छक्के खाए हैं। गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे राशिद की सबसे ज्यादा धुलाई लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ हुई थी। मिशेल मार्श और निकोलस पूरन ने उन्हें बुरी तरह निशाना बनाया, जिसके चलते वह अपने चार ओवर

भी पूरे नहीं कर सके। महज दो ओवर में ही उन्होंने 36 रन दे दिए। छक्के खाने वालों की सूची में दूसरे नंबर पर चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज खलील अहमद हैं। उन्होंने इस सीजन 13 मैचों में 14 विकेट तो लिए, लेकिन रन रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे। खलील ने अब तक 26 छक्के झेले हैं और उनकी गेंदबाजी में निरंतरता की कमी साफ नजर आई। तीसरे स्थान पर लखनऊ के स्पिनर रवि बिश्नोई हैं। उन्होंने इस सीजन 25 छक्के खाए हैं। उनका प्रदर्शन इस बार उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और वह बल्लेबाजों को दबाव में नहीं ला सके। 'बेबी मलिंगा' कहे जाने वाले मथीशा पथिराना भी इस लिस्ट में शामिल हैं। श्रीलंकाई गेंदबाज पथिराना ने अब तक 23 छक्के खाए हैं और चेन्नई के लिए यह सीजन उनके लिए कुछ खास नहीं रहा। हालांकि चेन्नई का एक मुकाबला अभी बाकी है, जिससे यह आंकड़ा और बढ़ सकता है। इस सूची में आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज युजवेंद्र चहल भी हैं।

आईपीएल 2025ः क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने

नई दिल्ली। लखनऊ में शुक्रवार को खेले गए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के मुकाबले में एक अनोखा और दुर्भाग्यपूर्ण विकेट देखने को मिला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से बल्लेबाजी कर रहे क्रुणाल पांड्या हिट विकेट होकर आउट हुए। आईपीएल 2025 में यह दूसरा मौका है जब कोई बल्लेबाज़ इस अंदाज़ में आउट हुआ है। क्रुणाल पांड्या इस सीज़न हिट विकेट आउट होने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने हैं। इससे पहले अभिनव मनोहर को इसी तरह का अजीबो-गरीब आउट देखा गया था। पूरे आईपीएल इतिहास की बात करें तो पांड्या अब इस तरह आउट होने वाले 17वें बल्लेबाज़ हैं। यह घटना दूसरे इनिंग्स के 19वें ओवर

में घटी जब पांड्या पैट कमिंस की गेंद का सामना कर रहे थे। वह यॉर्कर गेंद को खेलने के लिए क्रीज़ में काफी पीछे चले गए, लेकिन शॉट खेलते वक्त उनका बल्ला स्टंप्स से टकरा गया। गेंद बल्ले से नहीं लगी, लेकिन बल्ले से लगी गिल्लियां ज़रूर गिर गईं। इसके बाद पांड्या सिर हिलाते हुए मात्र 6 गेंदों में 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आईपीएल में सबसे पहले हिट विकेट का शिकार मुसाविर खोते बने थे। यह घटना 2008 में लीग के पहले सीज़न में हुई थी। तब से अब तक 17 खिलाड़ी इस तरीके से आउट हो चुके हैं। इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 231 रन बनाए। जवाब में आरसीबी की टीम 19 ओवर में 189 रन पर ही ढेर हो गई।

पोलैंड : ओरलेन मेमोरियल भाला फेंक में दूसरे स्थान पर रहे नीरज

वारसा। भारत के शीर्ष भाला फैंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा यहां पोलैंड में आयोजित ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये और दूसरे स्थान पर रहे। वहीं जर्मनी के जूलियन वेबर ने पहला स्थान हासिल किया। नीरज इस स्पर्धा में लय में नहीं थे। वह अंतिम दौर से पहले तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने अपने छठे और अंतिम प्रयास में अपना भाला 84.14 मीटर की दूरी पर फेंका जिससे वह दूसरे स्थान पर आ पाये। वह अपने दूसरे और पांचवें प्रयास में 81.28 मीटर और 81.80 मीटर तक ही भाला फेंक पाये। इसके अलावा उनके बचे हुए तीन प्रयास फाउल रहे थे। वहीं जर्मनी के वेबर दूसरे दौर में 86.12 मीटर की दूरी तक

थ्रो के साथ ही नंबर एक स्थान हासिल किया । इस मुकाबले में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और 83.24 मीटर तक भाला फेंककर तीसरे स्थान पर रहे। नीरज ने पिछले साल 2024 फेडरेशन कप में 82.27 मीटर तक भाला फेंका था। उसके बाद ये पहली बार है जब नीरज किसी स्पर्धा में 85 मीटर से कम का थ्रो कर पाये हैं। उन्होंने इस साल पहली बार दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका था।

व्यापार

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की रही तेजी

- सेंसेक्स 769 अंक उछलकर 81,721 अंक पर बंद
- निफ्टी 243.46 अंक बढ़कर 24,853 पर बंद

मुंबई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में पांचों कारोबारी दिन उतार-चढ़ाव देखा गया। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग एक फीसदी की तेजी देखी गई। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेत और यूएस बांड यील्ड में गिरावट से घरेलू शेयर बाजार को सहारा मिला। सबसे अधिक उछाल बैंकिंग, आईटी और मेटल सेक्टरों में देखने को मिला। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को इन्फोसिस और टीएसी जैसे दिग्गज आईटी स्टॉक्स में गिरावट ने बाजार को नीचे की तरफ खींचा। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 115 अंक की गिरावट लेकर 82,215 पर खुला और 271.17 अंक गिरकर 82,059.42 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 6 अंक गिरकर 25,013 पर खुला और 74.35 अंक गिरकर

24,945.45 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 18.33 अंक की मामूली बढ़त लेकर 82,077.75 पर खुला और 905.72 अंक गिरकर 81,153.70 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भी मजबूती के साथ 24,996.20 अंक पर खुला और 261.55 अंक या 1.05 प्रतिशत गिरकर 24,683.90 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 30 शेयरों वाला बेंचमार्क सूचकांक बीएसई सेंसेक्स तेजी के साथ 835.2 अंक बढ़कर 82,021.64 अंक पर खुला और 410.19 अंक उछलकर 81,596.63 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 262.3 अंक बढ़कर 24,946.20 अंक पर खुला और 129.55 अंक की बढ़त के साथ 24,813.45 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में नरमी के असर से भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को गिरावट के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 578.3 अंक गिरकर 81,018.33 पर खुला और 644.64 अंक गिरकर 80,951.99 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 215.55 अंक गिरकर 24,597.90 पर खुला और 203.75 अंक गिरकर 24,609.70 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में हरियाली दिखी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 219.05 अंक चढ़कर 81,171.04 पर खुला और 769.09 अंक या 0.95 प्रतिशत उछलकर 81,721.08 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 166.50 (0.68 फीसदी) अंक उछलकर 24,776.20 पर खुला और 243.46 अंक या 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,853.15 पर बंद हुआ।

पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ के आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की, एफटीए पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक से मुलाकात की। यह दोनों नेताओं की एक महीने के भीतर दूसरी मुलाकात थी, जिसमें भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चर्चा की गई। गोयल ने इस महीने की शुरुआत में अपने यूरोपीय संघ समकक्ष के साथ बैठक की थी। यूरोपीय व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर इस मुलाकात और बातचीत की जानकारी दी है। यूरोपीय संघ के अधिकारी मारोस सेफकोविक ने शुक्रवार को 'एक्स' पोस्ट के माध्यम से कहा, "अपने मित्र और समकक्ष पीयूष गोयल का स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। हम लगातार प्रगति कर रहे हैं। आइए, हम कड़ी मेहनत और स्पष्ट फोकस के साथ गति बनाए रखें। मैं जल्द ही हमारी अगली बैठक की प्रतीक्षा कर रहा हूं।" वहीं, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को मारोस सेफकोविक के पोस्ट के जवाब में 'एक्स' पर लिखा है, "मेरे मित्र, गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद। हम भारत और यूरोपीय संघ की साझा समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध हैं। आइए, हम इस गति को जारी रखें!" अमेरिका के दौरे पर गए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 23 मई को वाशिंगटन से ब्रुसेल्स पहुंचे, जबकि भारत के मुख्य वार्ताकार एल. सत्य श्रीनिवास और

उनकी टीम भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता के लिए पहले से ही यूरोपीय संघ मुख्यालय में मौजूद हैं। दोनों नेताओं के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई है, जब दोनों पक्ष जुलाई तक अर्ली हार्वेस्ट व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ के अनुसार ईयू-भारत व्यापार वार्ता गति पकड़ रही है, दोनों पक्षों का लक्ष्य 2025 के अंत तक एक समझौते को पूरा करना है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर बातचीत में तेजी लाने के लिए डच समर्थन भी मांगा, जिसे भारत 2025 के अंत तक पूरा करने की उम्मीद करता है। दोनों पक्षों के अधिकारियों ने हाल ही में 16 मई को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ग्यारहवें दौर की वार्ता पूरी की है।

एक सप्ताह में सोना 3,170 रुपए महंगा, चांदी में भी 2300 का उछाल

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज़ी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) की वेबसाइट के मुताबिक 17 मई को सोने की कीमत 92,301 प्रति 10 ग्राम थी, जो 24 मई को बढ़कर 95,471 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई यानी एक सप्ताह में सोने की कीमत में 3,170 रुपए का इजाफा हो गया। वहीं चांदी की कीमत में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 17 मई को चांदी की कीमत 94,606 रुपए प्रति किलोग्राम थी, जो अब बढ़कर 96,909 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है यानी इस हफ्ते चांदी की कीमत में 2,303 रुपए का इजाफा हुआ है। गौरतलब है कि इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी ने 28 मार्च को 1,00,934 प्रति किलोग्राम

का अब तक का सर्वोच्च स्तर छू लिया था। दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 900,50 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,230 रुपए है। मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,080 रुपए है। कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 98,080 रुपए है। वहीं चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,080 रुपए है।

बैंक निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने केवाईसी सुविधा उपलब्ध कराएः आरबीआई

- ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में जारी परिपत्र में कहा कि बैंक सभी गैर प्रमुख शाखाओं सहित सभी शाखाओं में निष्क्रिय खातों या बिना दावे वाली रकम के लिए अनिवार्य रूप से जानें अपने ग्राहक (केवाईसी) के विवरण को दुरुस्त करने की सुविधा मुहैया करवाएं। इसके अलावा बैंकों को वीडियो उपभोक्ता पहचान प्रक्रिया (वी-सीआईपी) उपलब्ध होने की स्थिति में खातेधारक की मांग पर यह सुविधा मुहैया करवानी चाहिए। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि निष्क्रिय बैंक खातों को सक्रिय करने के लिए अधिकृत बिजनेस कॉरस्पोंडेंट की मदद भी ली जा

सकती है। रिजर्व बैंक ने इस प्रारूप परिपत्र पर साझेदारों की टिप्पणी 6 जून तक मांगी है। रिजर्व बैंक ने जनवरी में बिना दावे वाली रकम और निष्क्रिय खातों के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए थे। इसके तहत ग्राहक के खाते की जानकारी या चेक बुक का अनुरोध शामिल करने सहित गैर वित्तीय गतिविधियां या कोई वित्तीय लेन देन दो वर्ष तक नहीं होने की स्थिति में ऐसे खातों को 'निष्क्रिय' श्रेणी में रखा जाएगा। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने बैंकों को निर्देश दिया कि वह एक साल की अवधि से अधिक समय से उपभोक्ता की बिना लेन देन की पहल वाले खातों की सालाना समीक्षा करे। ग्राहकों को निष्क्रिय होने वाले बैंक खातों की स्थिति के बारे में पत्रों, ईमेल या एसएमएस के जरिये अधिसूचित किया जाएगा। ग्राहकों को अपने खाते सक्रिय करने के लिए अतिरिक्त समय भी दिया जाएगा।

अब बेंगलुरु मेट्रो रेल पर शौचालय सुविधा के लिए देने होंगे पैसे

- मेट्रो यात्रियों को 12 स्टेशनों पर चुकानी पड़ेगी कीमत

बेंगलुरु। बेंगलुरु के मेट्रो यात्रियों को अब शौचालय सेवाओं का उपयोग करने के लिए पैसे देने होंगे, इस अपवादपूर्ण निर्णय से समाज में उत्पन्न विवाद का हुआ आयोजन। बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने 12 स्टेशनों पर शौचालय से संबंधित सुविधाओं के लिए सुलभ इंटरनेशनल को भेजा किया है। इसके साथ ही यात्रियों से यूरिन के लिए 2 रुपये और शौचालय उपयोग के लिए 5 रुपये वसूले जाएंगे। इस निर्णय को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र की कड़ी आलोचना हुई है, जिन्होंने इसे मानवीय ज़रूरतों का व्यवसायीकरण बताया। सरकार को मिल रही आलोचना का मुख्य कारण यह है कि पहले ही मेट्रो किरायों में 71 फीसदी की वृद्धि की गई थी। सुविधाओं के लिए अत्यधिक पैसे वसूलने पर सामाजिक संगठनों और जनता में कई उतार-चढ़ाव देखा गया है।

कांस में आलिया ने राजकुमारी जैसे अंदाज में किया डेब्यू

पीच गाउन में दिखीं एक्ट्रेस, कान के पीछे के काले टीके ने खींचा ध्यान

एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने फैंस का इंतजार खत्म करते हुए पहली बार कांस फिल्म फेस्टिवल में शिरकत की है। आलिया ने शानदार लुक से सबका ध्यान खींच लिया। उन्होंने रेड कार्पेट पर पीच रंग के खूबसूरत विंटेज अंदाज वाले आउटफिट में एंट्री ली, जिसमें वो किसी रॉयल प्रिंसेस से कम नहीं लग रही थीं।

आलिया ने स्कियापरेली ब्रांड का गाउन पहना था- आलिया ने मशहूर डिजाइनर ब्रांड स्कियापरेली का ऑफ-शोल्डर बॉडीकॉन गाउन पहना था। इस ड्रेस में चांटीली लेस, ऑर्गेंजा और एनामेल फ्लावर कढ़ाई थी। नीचे की तरफ मलमल, ऑर्गेंजा और ट्यूल की लेयर्स से खूबसूरत घेर बनाई गई थी। इस पूरे लुक को रिया कपूर ने स्टाइल किया था। आलिया ने अपने लुक को सिंपल और एलिगेंट रखा। उन्होंने मोती की क्लासिक स्टड इयररिंग्स पहने और बालों को सलीके से बांधा।

आलिया ने कान के पीछे लगाया काला टीका- खास बात यह थी कि आलिया भट्ट ने अपने बाएं कान के पीछे एक काला टीका लगाया हुआ था। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब आलिया ने ऐसा किया है। उन्होंने मेट गाला डेब्यू के दौरान भी टीका लगाया था। गौरतलब है कि काला टीका पारंपरिक रूप से बुरी नजर से बचाने के लिए लगाया जाता है।

आलिया एक फोटो में दिखीं सिमोन एशली के साथ- रेड कार्पेट पर आलिया की कई तस्वीरें सामने आई हैं। एक तस्वीर में आलिया, ब्रिटिश एक्ट्रेस सिमोन एशली के साथ नजर आईं। वहीं, रेड कार्पेट पर आने से पहले आलिया ने अपनी कांस लुक की एक ब्लैक एंड व्हाइट झलक इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की थी।

आलिया ने ब्लैक ड्रेस में दिया दूसरा ग्लैमरस लुक- अपने दूसरे लुक में आलिया खूबसूरत ब्लैक ड्रेस में नजर आईं। यह ड्रेस अरमानी प्रिवे ब्रांड की थी। इस ड्रेस में नीले रंग के रत्न जड़े हुए थे। इसे रिया कपूर ने स्टाइल किया था। ड्रेस का स्लिम लुक आलिया पर खूब जंच रहा था। ड्रेस के ऊपर नीले रंग के रत्न जड़े हुए थे और नीचे चमकदार स्टोन्स से सजावट की गई थी। बता दें कि कुछ दिनों पहले अफवाहें थीं कि आलिया कांस नहीं जाएंगी, लेकिन उन्होंने अपनी उपस्थिति से इन अटकलों को विराम दे दिया।

गौरतलब है कि इस बार कांस में बॉलीवुड की जबरदस्त मौजूदगी देखने को मिली। कांस में ऐश्वर्या राय बच्चन, जान्हवी कपूर, करण जौहर, ईशान खट्टर, शर्मिला टैगोर, सिमी ग्रेवाल और उर्वशी रौतेला जैसे सितारे भी नजर आए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया आखिरी बार 2024 की फिल्म 'जिगरा' में दिखीं थीं। अब वे यशराज की स्पाई फिल्म 'अल्फा' में एक एजेंट के किरदार में नजर आएंगी। साथ ही संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' में रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी।

मिशन इम्पॉसिबलः द फाइनल रेकनिंग को मिल रहा जबर्दस्त रिस्पांस

फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल: द फाइनल रेकनिंग' आखिरकार भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज की इस मोस्ट अवेटेड एक्शन फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। यह फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' फ्रेंचाइजी की अगली कड़ी है, जो दुनियाभर में अपनी बेहतरीन एक्शन सीक्वेंस और कहानी के लिए मशहूर रही है। भारत में फिल्म की रिलीज पहले तय तारीख 23 मई से 6 दिन पहले हो गई, जिससे दर्शकों की खुशी और भी बढ़ गई। फिल्म को लेकर निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी कर खासा ध्यान खींचा है। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, "उनमें और हममें यही फर्क है कि वे दर्शकों को बुद्धिमान मानते हैं और 'मिशन इम्पॉसिबल: द फाइनल रेकनिंग' जैसी फिल्में बनाकर उनकी बुद्धिमत्ता का स्टैंडर्ड और ऊपर ले जाते हैं। इसके विपरीत, हम ऑडियंस को मूर्ख मानते हैं और वैसी ही फिल्में बनाते हैं।" उनके इस बयान ने इंडियन और विदेशी सिनेमा के बीच के नजरिए पर बहस को जन्म दे दिया है। इस बीच टॉम क्रूज का एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें वे भारतीय संस्कृति और सिनेमा के प्रति अपने प्रेम को जाहिर करते नजर आते हैं।उन्होंने कहा कि उन्हें भारत से खास लगाव है और वह भविष्य में बॉलीवुड में फिल्म बनाना चाहेंगे। एक वीडियो में वे हिंदी में बोलते हुए नजर आए, "मैं आपसे बहुत प्यार करता हूं।" उन्होंने भारत को एक अद्भुत देश बताया और यहां के लोगों, संस्कृति और अनुभवों की तारीफ की।

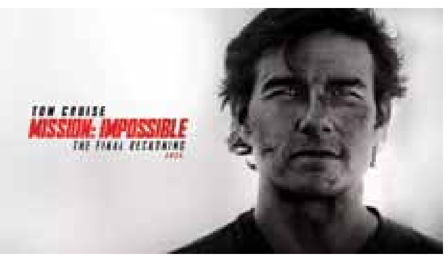

पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम पर बनेगी फिल्म

भारत के 11वें राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को देशभर में 'मिसाइल मैन' के नाम से जाना जाता है। वे एक प्रतिष्ठित एयरोस्पेस वैज्ञानिक थे और आम लोगों के साथ-साथ बच्चों के बीच भी बेहद लोकप्रिय रहे। उनकी प्रेरणादायक जीवन यात्रा ने कई युवाओं को वैज्ञानिक बनने का सपना दिखाया। अब उनका जीवन बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा। निर्देशक ओम राउत उनकी जिंदगी पर आधारित फिल्म 'कलाम' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में दक्षिण भारतीय सिनेमा के एक मशहूर अभिनेता डॉ. कलाम की भूमिका में नजर आएंगे। निर्देशक ओम राउत की पिछली फिल्म 'आदिपुरुष' ने जहां एक ओर जबरदस्त कमाई की, वहीं इसे तीखी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अब ओम राउत एक बार फिर चर्चा में हैं, इस बार डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की बायोपिक को लेकर। हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने के दौरान उन्होंने इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की। उन्होंने वहां फिल्म 'कलाम' का टाइटल पोस्टर भी शेयर किया, जिससे यह साफ हो गया कि यह उनकी अगली महत्वाकांक्षी परियोजना है। इस बायोपिक में साउथ भारतीय सुपरस्टार धनुष मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, अभिषेक अग्रवाल और अनिल सुंकारा मिलकर करेंगे। यह प्रोजेक्ट भारतीय सिनेमा के लिए एक और प्रेरणादायक मील का पत्थर साबित हो सकता है। निर्देशक ओम राउत ने फिल्म 'कलाम–भारत के मिसाइल मैन' की घोषणा सोशल मीडिया पर करते हुए एक भावुक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, "रामेश्वरम से राष्ट्रपति भवन तक... एक महान आत्मा की प्रेरणादायक यात्रा अब सिल्वर स्क्रीन पर दिखाई देगी। भारत के मिसाइल मैन की कहानी शुरू होती है। बड़े सपने देखो, ऊंची उड़ान भरो। 'कलाम – भारत के मिसाइल मैन' जल्द आ रही है।" उनकी यह पोस्ट ना केवल डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि है, बल्कि इस फिल्म के लिए उत्सुकता भी बढ़ा रही है। ओम राउत की पिछली फिल्म 'आदिपुरुष' का बजट करीब 700 करोड़ रुपये था, जो इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में से एक बनाता है। हालांकि, भारी भरकम लागत के बावजूद फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से तीखी आलोचनाएं झेलनी पड़ीं। फिल्म की संवाद शैली को लेकर काफी विवाद हुआ और इसके वीएफएक्स की भी जमकर आलोचना हुई। इस कारण ओम राउत को अब तक ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। अब सभी की निगाहें उनकी अगली फिल्म 'कलाम भारत के मिसाइल मैन' पर टिकी हैं। देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह प्रेरणादायक बायोपिक उनके हिंदी फिल्म करियर को एक नई दिशा दे पाएगी।

श्रद्धा के फिल्म से बाहर होने की पुष्टि नहीं की डायरेक्टर ने

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर के अपकमिंग फिल्म छोड़ने को लेकर फिल्म के डायरेक्टर राही अनिल बर्वे ने कहा, "ये सब अफवाहें हैं, सब कुछ अफवाह है।" हालांकि उन्होंने इस सवाल से बचने की कोशिश करते हुए कहा कि वह फिलहाल अपनी वेब सीरीज रक्त ब्रह्मांड को पूरा करने में व्यस्त हैं और अपने अगले प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। उन्होंने सीधे तौर पर श्रद्धा के फिल्म से बाहर होने की पुष्टि नहीं की और न ही इससे इनकार किया। इस बीच रिपोर्ट्स का दावा है कि मेकर्स अब फिल्म के लिए किसी नई हीरोइन की तलाश कर रहे हैं और एकता कपूर इस सिलसिले में कई टॉप एक्ट्रेसेज़ से बातचीत कर रही हैं। श्रद्धा कपूर की बात करें तो वह अभी भी कई प्रोड्यूसर्स के संपर्क में हैं, जिनमें दिनेश विजन, बोनी कपूर और भूषण कुमार जैसे नाम शामिल हैं। वहीं, डायरेक्टर राही अनिल बर्वे की वेब सीरीज रक्त ब्रह्मांड में आदित्य रॉय कपूर, सामंथा रुथ प्रभु, वामिका गब्बी और अली फजल जैसे कलाकार नजर आएंगे। यह एक डार्क थ्रिलर सीरीज होगी, जिसमें राही का डायरेक्शन और अनूठी कहानी देखने को मिलेगी। श्रद्धा को लेकर स्थिति अब भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है, लेकिन फिलहाल डायरेक्टर के बयान ने अफवाहों को शांत जरूर किया है। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा ने इस फिल्म के लिए 17 करोड़ रुपये की मोटी फीस के साथ-साथ प्रॉफिट शेयरिंग की मांग की थी। अगर यह डील फाइनल होती, तो श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे महंगी एक्ट्रेसेज़ में शामिल हो सकती थीं। हालांकि, कहा जा रहा है कि श्रद्धा की मांगों की वजह से फिल्म का बजट गड़बड़ा गया, और इसी कारण प्रोजेक्ट में उनकी जगह किसी दूसरी एक्ट्रेस को कास्ट करने का फैसला लिया गया है।

'स्पिरिट' से बाहर हुईं दीपिका पादुकोण

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने पिछले साल सितंबर में अपनी बेटी को जन्म दिया था। मां बनने के बाद से ही उनका पूरा ध्यान अपने परिवार और बेटी पर केंद्रित रहा है। हालांकि अब दीपिका धीरे-धीरे काम पर लौटने की तैयारी कर रही हैं। जल्द ही वह कुछ नई फिल्मों की शूटिंग शुरू करेंगी। वह 'कल्कि' के अगले भाग में नजर आने वाली हैं, जिससे उनके प्रशंसकों को एक बार फिर उनका दमदार अवतार देखने को मिलेगा। वहीं, निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' के लिए भी दीपिका को कास्ट किया गया था। लेकिन अब खबर है कि कुछ शर्तों को लेकर बनी असहमति के कारण दीपिका को इस प्रोजेक्ट से हटा दिया गया है। संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' इन दिनों सुर्खियों में है। इस फिल्म में सुपरस्टार प्रभास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। पहले ऐसी चर्चाएं थीं कि फिल्म में दीपिका पादुकोण को भी मुख्य अभिनेत्री के तौर पर कास्ट किया गया है और एक बार फिर प्रभास-दीपिका की जोड़ी पर्दे पर दिखाई देगी। हालांकि, अब ताजा रिपोर्ट के अनुसार, स्थिति बदल चुकी है। रिपोर्ट का दावा है कि निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने दीपिका को फिल्म से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। बताया जा रहा है कि दीपिका ने फिल्म के लिए काफी ज्यादा फीस की मांग की थी और कुछ शर्तें भी रखी थीं, जिससे वांगा नाखुश हो गए। निर्देशक ने दीपिका के रवैये को गैर-पेशेवर मानते हुए उन्हें 'स्पिरिट' से हटा दिया है। अब देखना होगा कि इस फिल्म में प्रभास के साथ किस अभिनेत्री को कास्ट किया जाएगा। खबरों के मुताबिक, दीपिका पादुकोण और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के बीच फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर कई मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। रिपोर्ट्स के अनुसार, दीपिका ने शूटिंग के लिए दिन में केवल 8 घंटे काम करने की शर्त रखी थी, जो असल में लगभग 6 घंटे की शूटिंग के बराबर होती। इसके अलावा, उन्होंने फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी और भारी भरकम फीस की भी मांग की थी। चर्चा है कि दीपिका इस फिल्म के लिए 20 करोड़ रुपये की फीस चाह रही थीं, जिससे वह इतनी बड़ी रकम लेने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बन सकती थीं। वहीं, यह भी सामने आया है कि उन्होंने तेलुगु में संवाद बोलने से इनकार कर दिया था, जो फिल्म की मूल भाषा है। इन सभी मांगों और रवैये को निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने गैर-पेशेवर माना और कथित तौर पर दीपिका को फिल्म से बाहर कर दिया। अब सभी की निगाहें इस पर टिकी हैं कि 'स्पिरिट' में प्रभास के साथ आखिरकार कौन-सी अभिनेत्री नजर आएगी।

सेलिब्रिटी को कोसना अब ट्रेंड बन चुका हैः पलक तिवारी

अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी प्रोफेशनल फ्रंट के साथ-साथ वह अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। खासकर सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ उनके डेटिंग रूमर्स को लेकर आए दिन चर्चाएं होती रहती हैं। दोनों को कई बार साथ देखा गया है, जिससे इन खबरों को और हवा मिलती है। हाल ही में एक पाकिस्तानी फिल्म क्रिटिक तमूर इकबाल ने इब्राहिम की डेब्यू फिल्म नादानियां का मजाक उड़ाते हुए न केवल उनके अभिनय की आलोचना की, बल्कि उनकी नाक को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की। इस पर अब पलक तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।पलक तिवारी हाल ही में एक पॉडकास्ट में शामिल हुईं, जहां उन्होंने अपने करियर, निजी जीवन और ट्रोलिंग पर बेबाकी से बात की। पाकिस्तानी क्रिटिक के बयान को लेकर पलक ने कड़ी नाराजगी जताई और सेलिब्रिटीज़ को निशाना बनाए जाने की प्रवृत्ति पर खुलकर बोलीं। पलक ने कहा, "अगर कोई चीज किसी फेमस सेलिब्रिटी से ज्यादा बिकती है, तो वह है उसे कोसना। आज के समय में यह एक चलन बन चुका है कि पब्लिक फिगर्स को नफरत दी जाए। यह बहुत ही शर्मनाक है। ट्रोलिंग हमेशा से रही है, लेकिन अब यह एक खतरनाक स्तर पर पहुंच चुकी है।" पलक ने ट्रोल्स के दोहरे रवैये पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, "सबसे पहले लोग किसी के लुक्स पर कमेंट करते हैं, फिर जब वही इंसान खुद को बेहतर बनाने के लिए कोई ट्रीटमेंट लेता है या कुछ बदलाव करता है, तो वही लोग कहते हैं कि 'आप ऐसा क्यों कर रहे हो? आप गलत उदाहरण पेश कर रहे हो।' पहले किसी को उसके रंग-रूप के लिए शर्मिंदा करना और फिर जब वह खुद में सुधार लाने की कोशिश करता है तो उसे नफरत का शिकार बनाना—ये दोहरा रवैया बेहद गलत है।" पलक का यह बयान न केवल इब्राहिम के समर्थन में था, बल्कि उन्होंने सोशल मीडिया ट्रोलिंग और सेलिब्रिटीज़ को निशाना बनाए जाने के पूरे ट्रेंड पर सवाल उठा दिया है। बता दें कि मशहूर टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने कम वक्त में ही इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बना ली है। फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज़ के जरिए पलक लगातार चर्चा में बनी हुई हैं।

Dr Prabhat Khetan made a Name For Himself In Medical World

Sagar Suraj

MOTIHARI: Dr. Prakash Khaitan, a renowned neurosurgeon from Motihari, Bihar, has made a name for himself in the medical world with his exceptional surgical skills. His successful operation on a 12-year-old girl from Mirzapur, UP, who had a rare and complex 14 cm cyst in her spinal cord, has garnered international attention. The operation, which lasted 12 hours, was a huge success, and the girl is now leading a normal life. This achievement has been recognized by the International Book of World Records, and Dr. Khaitan's expertise in neurosurgery has been widely appreciated. He has previously set records in the Guinness Book of World Records and the Limca Book of World Records for removing 296 cysts from an 8-year-old girl's brain and a 240-gram tumor from another patient's brain. Dr. Khaitan's dedication to his work and his ability to perform complex surgeries at a low cost have made him a respected figure in the medical community. His remarkable achievements continue to inspire and bring hope to patients and medical professionals alike.

News In Detail: The achievements of the country's renowned neurosurgeon Dr. Prakash Khaitan, a resident of Station Road, Motihari, have now started resonating on international forums. In the World Neuro Conclave 2025 held in March last, the successful operation of the biggest cyst ever inside the spinal cord of a 12-year-old girl of Mirzapur, UP and the successful execution of the rare and complex operation of bone transplant after a 12-hour marathon has become a topic of discussion in the medical world of the country and abroad.

The successful operation of the largest ever cyst of 14 cm in the spinal cord was registered in the International Book of World Records, setting a record. This 14 cm cyst in the 42 cm spinal cord of the girl had made the 12 year old girl disabled. She was not even able to tell when she had urinated or defecated, but now the girl is completely healthy and is leading a normal life. When other doctors of the country gave up on the complexity of this operation, Dr. Prakash Khaitan successfully performed this complicated operation at a very low cost. In 2011 too, Dr. Prakash Khaitan was in the headlines when he got his name registered in the Guinness Book of World Records by removing 296 cysts from the brain of an 8-year-old girl. This achievement of his was also registered in the Limca Book of World Records in 2012. He got his name registered in the Asia Book of World Records in 2014 by removing a 240 gram tumor from the brain of Sabit Agarwal. The 296 cysts kept in the museum in Allahabad are a witness to the remarkable ability of Dr Khaitan. Dr Khaitan did MS from King George Medical College, then after working as Consultant Surgeon at Fortis New Delhi is currently running Neuro Spinal Centre & Maternity Clinic in Allahabad.

Rahul Gandhi's troubles increased, court issued non-bailable warrant; ordered to appear on June 26

New Delhi, The legal troubles of Congress leader and Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi have increased. The MP-MLA Special Court in Chaibasa, Jharkhand has issued a non-bailable warrant against Rahul Gandhi and has strictly ordered him to appear in court personally on June 26, 2025. The court rejected the application for exemption from appearance filed by Rahul Gandhi's lawyer. The case is related to a political speech given by Rahul Gandhi in the year 2018. During a Congress session on 28 March 2018, Rahul Gandhi used harsh and allegedly objectionable words against the Bharatiya Janata Party (BJP). For this speech, BJP leader Pratap Katiyar filed a defamation case against Rahul Gandhi in the court of Chief Judicial Magistrate, Chaibasa on 9 July 2018. The case was later transferred to the MP-MLA Special Court in Ranchi on 20 February 2020 on the instructions of the Jharkhand High Court. Later when the MP-MLA court was established in Chaibasa, the case was transferred there. Despite the summons issued by the court, Rahul Gandhi did not appear. Due to this, a bailable warrant was first issued against him, but now a non-bailable warrant has been issued for not appearing. Rahul Gandhi's lawyer had sought a stay on this warrant in the Jharkhand High Court, which was rejected on 20 March 2024. After this, the petition for exemption from personal appearance in Chaibasa court was also rejected. Now the court has taken a tough stand and issued a non-bailable warrant and ordered Rahul Gandhi to appear in person on June 26, 2025. If he does not appear in court this time too, then more strict action can be taken against him.

Thakur inaugurated the Balai link road

Shimla, Himachal Pradesh Education Minister Rohit Thakur on Friday inaugurated the two kilometer long Kelvi Balai link road constructed at a cost of Rs 55 lakh in Barthata Panchayat under Jubbal. It is worth mentioning that this road is a part of 'Kohlad Panchgaon Anti' road, the construction of which started in the 70s. With the passing of this road, the road construction work has been completed. Along with this, the foundation stone of the bridge to be built on Sojla-Kelvi-Gadavag road at a cost of two crore seven lakh rupees was also laid. Earlier, Rohit Thakur also inspected the work of upgradation and widening of Kohlada Anti road and the work of the Primary Health Center under construction at Batadgalu at a cost of 1 crore 70 lakhs. During this, a bus

was also flagged off on this road. Addressing the public meeting in Balai, he said that he has a family relationship with Barthata Panchayat and hence he is feeling very happy to inaugurate this road today. Because Balai is a remote place and despite being a part of Barthata Panchayat, it was not connected to Barthata. With the construction of this road, Barthata Panchayat has been completely connected to the roads. With the construction of this road, not only the residents of Barthata will be benefited but also the residents of Kathasu Nandpur, Anti, Chhajpur and Kuddu Panchayat bordering Uttarakhand will be benefited. Thakur said that this entire area is an apple horticulture dominated area and from this point of view also this road is very important. With the construction of this road, the distance between Balai and Barthata has been reduced by about 35 kilometers, which will facilitate the gardeners in taking their produce to the markets and will also save time.

Himachal High Court handed over the investigation of Vimal Negi's mysterious death to CBI

Shimla, Himachal Pradesh High Court has ordered the Central Bureau of Investigation (CBI) to investigate the mysterious death of Vimal Negi, Chief Engineer and General Manager of State Power Corporation Limited. The court gave this order after accepting the writ petition filed by Mr. Negi's wife Kiran Negi. In the petition, the apprehension of the state police hiding the matter was expressed. While pronouncing the verdict, a single bench of Justice Ajay Mohan Goyal expressed deep concern over the manner of investigation conducted by the Special Investigation Team (SIT) constituted under Shimla Superintendent of Police Sanjeev Gandhi.

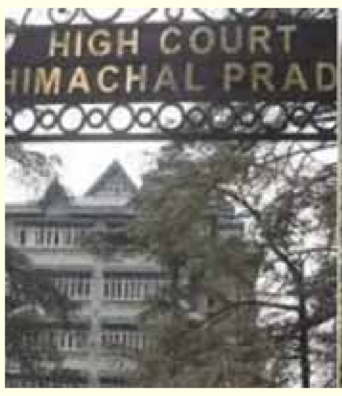

The court said that the status report filed by the police indicated serious lapses and the suspicions raised by the family of the deceased had sufficient substance which required a CBI probe. The court ordered that no state cadre officer be involved in the CBI probe, so as to ensure a fair investigation. The verdict came on May 21 after nearly three hours of heated arguments between Advocate General Anoop Ratan and former Advocate General R.K. Bawa, appearing for the family of the deceased. What emerged in the court was reprehensible, with Director General of Police (DGP) Atul Verma submitting a detailed report, pointing to an alleged systematic attempt to derail the investigation and protect powerful persons.

According to Verma's report, the Shimla superintendent of police actively obstructed the investigation. He instructed the Special Investigation Team (SIT) officers not to share any records with the DGP and even prevented the forensic report from being sent to the director of the forensic department. Among particularly disturbing revelations in the report is that the pen drive recovered from Negi's body by ASI Pankaj on March 18 was formatted three days later. Later forensic tests revealed that the pen drive contained sensitive information related to two HPPCL projects - Kadchham and Pekhubela - indicating financial irregularities of about Rs 12.70 crore. Chats recovered from the phones of the officials involved in recovering the body allegedly have a conversation about replacing the pen drive on March 20. The DGP said that despite repeated instructions, the call data records (CDRs) of the concerned officials were never submitted. Once the CBI takes over the investigation, the focus will shift to the possible involvement of senior bureaucrats and technical experts. The Negi family and employees of Himachal Pradesh Power Corporation Limited had long been saying that the original SIT investigation was an attempt to portray the death of an honest officer as a suicide to suppress evidence of corruption.

Strict action on increasing suicides of students in Kota, reprimanded the government; Police officer summoned

New Delhi, The Supreme Court on Friday expressed deep concern over the increasing suicides of students in Kota city of Rajasthan. The court termed the situation as 'serious' and sought a response from the state government. A bench of Justices J.B. Pardiwala and R. Mahadevan directly asked the lawyer appearing for the state of Rajasthan, what are you doing as a state? Why are these children committing suicide and that too only in Kota? Have you not thought about this as a state? The court informed that so far this year, 14 cases of student suicide have been reported in Kota. The

lawyer replied that a Special Investigation Team (SIT) has been formed in the state to investigate the cases of suicide. The Supreme Court was hearing the case of the death of a 22-year-old student of IIT Kharagpur, who was found hanging in his hostel room on May 4. Along with this, the court was also hearing the case of suicide of a girl student preparing for NEET in Kota. The bench questioned the four-day delay in filing an FIR (FIR) on May 8 in the case of the death of an IIT Kharagpur student. The bench said, do not take these things lightly. These are very serious matters. The Supreme Court cited its March 24 decision, which took cognizance of the repeated cases of student suicides in higher educational institutions and called for the formation of a national task force to address the mental health concerns of students and prevent such incidents. On Friday, the bench reiterated that it is necessary to register an FIR immediately in such cases. The bench asked the concerned police officer present in the court, why did it take you four days to register an FIR? The officer said that the FIR has been registered and the matter is under investigation. The bench directed that the investigation be continued as per the law. It came to light on record that the IIT Kharagpur officials had informed the police after getting information about the suicide, but the bench was not satisfied with the explanation of the IIT Kharagpur lawyer and the police officer. The bench said, we could have taken a very strict stand in this case. We could have also filed a contempt case against the police officer in charge of the concerned police station.

BJP leader had sex with a woman on the expressway, FIR registered; Action taken after the video was leaked

Indore: Police have registered a case against a man from Indore, Madhya Pradesh for allegedly doing objectionable acts with a woman on the Delhi-Mumbai Expressway. This action has been taken after a video went viral on social media, in which the accused can allegedly be seen doing such acts in a public place. The accused has been identified as Manoharlal Dhakad, who is said to be a BJP leader. However, the BJP has denied this claim and said that the person seen in the video is not a primary member of the party. It is worth noting that the accused's wife is a BJP-supported district panchayat member. (RNS News Agency does not confirm the authenticity of this video.) Police registered FIR under several sections Bhanpura police has registered a case against accused Manoharlal Dhakad under sections 296, 285, 3(5) of the Indian Penal Code and sections 294, 283, 34 of the Indian Penal Code. According to the allegations, Manoharlal Dhakad committed objectionable acts with a woman in public on a very busy route like Delhi-Mumbai Expressway. CCTV footage revealed that in the viral CCTV video, it is seen that a car stops on the side of the road. At the same time, another vehicle also passes from there. A woman and a man get out of the car and allegedly start having physical relations on the road itself. The number of the car RUKK14 CC 4782 is clearly visible in the video. According to the records of the Transport Department, the registration of this vehicle is registered in the name of Manoharlal Dhakad. The date of the incident is seen in the CCTV footage as 13 May 2025 and the time is 8:26 pm. It has also been mentioned in the FIR that a video of the accused is going viral on social media, in which he is seen parking a Maruti company car on the middle of the road, getting down on the road and doing obscene acts with a woman on the 8-lane Delhi-Mumbai Expressway. BJP shrugged off the matter, Mahasabha removed him from the post.

Monsoon will knock at the earliest after 16 years! Will reach Kerala in the next 24 hours, farmers across the country will get relief

New Delhi, . There is big news of relief for the people troubled by heat across the country. In the next 24 hours, the southwest monsoon is going to knock on the Kerala coast, and it is arriving about a week before its scheduled time. This will not only bring down the temperature, but will also clear the way for farmers to sow Kharif crops soon. According to the Meteorological Department (IMD), this is the first time after 2009 and 2001 that the monsoon is reaching Kerala so early i.e. in May itself. The normal date of arrival of monsoon in Kerala is 1st June, but this time it is going to enter the state before 27th May. The

state has been receiving heavy rainfall for the last two days, which is a clear indication of the progress of monsoon. The Meteorological Department has confirmed that the low pressure area and other favorable conditions are strengthening the entry of monsoon. 70% of the annual rainfall in India occurs between June and September, which is directly related to agriculture, drinking water, and rural economy. This year the Meteorological Department has predicted above average rainfall, which is expected to increase the production of crops like paddy, maize, soybean, cotton and oilseeds. According to Dhruv, in the coming days, the monsoon can spread rapidly to the South and Central Arabian Sea, Maldives and Lakshadweep, Karnataka and Tamil Nadu, Bay of Bengal and parts of Northeast India. A low pressure weather system is likely to form in the East-Central Arabian Sea, which may change the pattern of winds and rain on the western coasts while moving north. States like Maharashtra, Goa and Karnataka will benefit from this. The period of intense heat is continuing in many parts of the country. In such a situation, the early entry of monsoon is expected to bring relief in temperature. Monsoon can knock in North and Central India by 25-30 June and in West India by 15-20 June.

Corona started scaring again! Cases of Kovid-19 increased again in many states including Delhi, government on alert mode

New Delhi, An increase in Kovid-19 cases is being seen in the country once again. New infection cases have been reported in states like Gujarat, Haryana, Kerala and Karnataka including the national capital Delhi. In view of this, the governments have increased vigilance and advised the citizens to take precautions. The Health Department of Delhi Government has directed all the hospitals in the capital to remain on alert. Health Minister Pankaj Singh said on Friday that till Thursday, 23 new cases of Kovid-19 have been reported in Delhi. However, he said that there is no need to panic, because in most of the cases the symptoms are like common flu. The advisory issued by the government states that all hospitals should ensure full availability of beds, oxygen, medicines and vaccines to deal with COVID-19.

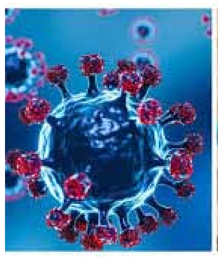

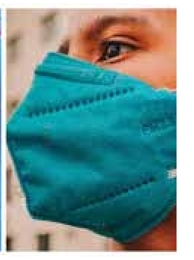

Apart from this, ventilators, Bi-PAP, oxygen concentrators and PSA units should be kept in working condition. The Health Minister said that a meeting has been held with the medical superintendents of all private and government hospitals, in which instructions have been given to prepare to deal with COVID-19. It has also been said that there is no need to panic and the government is constantly monitoring whether the cases are from Delhi or have come from outside.The Delhi government has ordered to send all COVID positive samples to Lok Nayak Hospital for genome sequencing. Also, daily reporting of data on the Delhi State Health Data Management Portal has been made mandatory. The advisory also states that hospitals will also have to monitor cases of influenza-like illness (ILI) and severe acute respiratory infection (SARI) and these will be recorded on the Integrated Health Information Platform (IHI). Instructions have also been issued to upload all confirmed cases of COVID-19 and influenza in L-form. The government has indicated that the COVID-19 situation is being monitored and the public will be updated from time to time. All citizens have been appealed to wear masks in crowded places, maintain hand hygiene and get tested immediately if any symptoms appear.